हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

28 फरवरी, 1996

(द्वितीय बैठक)

खण्ड 1, अंक 4

अधिकृत विवरण

Haryana Vidhan Sabha Secretariat
LIBRARY
Chandigarh

विषय सूची

बुधवार, 28 फरवरी, 1996

	पृष्ठ संख्या
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4) 1
वैयक्तिक स्पष्टीकरण— गृह राज्य मंत्री द्वारा	(4) 18
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4) 19
वैयक्तिक स्पष्टीकरण— श्री चन्द्र मोहन द्वारा	(4) 28
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4) 28
वैयक्तिक स्पष्टीकरण— आवास राज्य मंत्री द्वारा	(4) 30
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4) 30
वैयक्तिक स्पष्टीकरण— गृह राज्य मंत्री द्वारा	(4) 31

104 80

	पृष्ठ संख्या
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)31
नियम 30 के अधीन प्रस्ताव	(4)36
नियम 22(2) के अधीन प्रस्ताव	(4)37
नियम 22(2) के अधीन कार्य के कार्यक्रम में परिवर्तन करना/राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा को स्थगन करने संबंधी प्रस्ताव को वापस लेना	(4)37
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)41
वैयक्तिक स्पष्टीकरण— चौधरी बंसी लाल द्वारा	(4)49

Haryana Vidhan Sabha Secretariat
LIBRARY
Chandigarh

ERRATA

to

Haryana Vidhan Sabha Debates Vol. 1, No. 4, dated the 28th February 1996 (Second Sitting)

Read	For	Page	Line
की	कि	5	28
शब्द 'नहीं' के बाद 'था' पढ़ा जाए	न	18	16
आग	आग को	20	15
रुपये	रुपय	26	24
और	आर	29	27

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 28 फरवरी, 1996

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में 14.30 बजे हुई । अध्यक्ष (चौधरी ईश्वर सिंह) ने अध्यक्षता की ।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker : Sh. Karan Singh Dalal may resume his speech.

श्री कर्ण सिंह दलाल (पलवल) : अध्यक्ष महोदय, माननीय राज्यपाल महोदय ने कानून व्यवस्था की बात की है । सौरभ जैन नाम के बच्चे को आज से 20 दिन पहले उठा लिया गया था । उस बच्चे के घर वालों को 5–7 दिन बाद फोन आ जाता है कि फलां जगह पर 20–25 लाख रुपया पहुंचा दो, आपको आपका बच्चा सही सलामत वापिस कर दिया जाएगा । अध्यक्ष महोदय, आज तक हरियाणा की पुलिस उस बच्चे को वापिस नहीं ला सकी है । इसी तरह से फरीदाबाद में पुलिस की कस्टडी में एक गरीब ब्राह्मण लड़का जो मजदूरों के साथ काम करता था, की मौत हो गई है । जिस सेठ ने मिलकर के उसको मरवाया है आज तक उसके खिलाफ कोई ऐक्शन नहीं लिया गया है ।

अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने हैल्थ सर्विसिज के बारे में यहां पर जिक्र किया । पलवल में एक सिविल हास्पिटल है । वहां के बारे में हमने कई बार कहा है कि वहां पर हड्डियों का डाक्टर नहीं है, लेकिन आज तक वहां पर कोई भी डाक्टर नहीं आया है । अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने बहुत सारी चर्चाएं की है लेकिन कन्जयूमर कोर्टस के बारे में हरियाणा सरकार ने कुछ नहीं किया है । हर जिले में एक जज नियुक्त होना चाहिए ताकि वहां पर लोगों की जो शिकायतें हैं उसके लिए एक अलग से कोर्ट चल सके । इससे लोगों को काफी फायदा होगा ।

इस अभिभाषण में गरीब लोगों की बात की गई है । इसमें ईसाई लोगों की चर्चा की गई है कि उनको भी रिजर्वेशन का फायदा मिले । अगर ये ऐसा करते हैं तो हरियाणा ही देश में पहला अग्रणी राज्य होगा जहां पर ईसाइयों को यह फायदा पहुंचेगा । अध्यक्ष महोदय, इसी तरीके से पहले डा0 अम्बेदकर के नाम से 14 अप्रैल की छुट्टी हुआ करती थी लेकिन इस बार यह छुट्टी इतवार को पड़ गयी

[श्री कर्ण सिंह दलाल]

है । इसलिए मैं सरकार से प्रार्थना करना चाहूंगा कि दलित वर्ग के लोगों की भावनाओं को देखते हुए हरियाणा सरकार को अम्बेदकर के नाम से किसी और दिन छुट्टी अवश्य करनी चाहिए । इसी तरह से सर, हरियाणा प्रदेश ही एक ऐसा राज्य है जहां पर सरकार यह क्लेम करती है कि उसने गांव-गांव में पीने के पानी की सुविधा पहुंचायी है । लेकिन मेरे पलवल के हल्के में जितने गांव में भी सरकार ने पीने के पानी की सुविधा मुहैया करवायी है, वहां पर ज्यादातर गांवों में ये पानी के पाईप फटे हुए हैं जिसकी वजह से पानी रिसता है । इसलिए मैं सरकार से प्रार्थना करना चाहूंगा कि उन पाईपों के बारे में भी जितनी जल्दी हो सके सरकार को गौर करना चाहिए और उनको बदलना चाहिए । इसी प्रकार से हमारे हरियाणा में मध्यान भोजाहार योजना स्कूलों में लागू की गयी है । मैं इसके बारे में जानना चाहूंगा कि हमारे फरीदाबाद जिले के कौन से ऐसे स्कूल हैं जहां पर यह योजना लागू की गयी है । हमें तो वहां पर ऐसा कोई स्कूल नजर नहीं आता जहां पर यह योजना शुरू की गयी हो ।

श्री अध्यक्ष : आप इस बारे में मंत्री जी से अलग से सवाल पूछ लेना ।

श्री कर्ण सिंह दलाल : ठीक है जी । इसी तरह से सर, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में कहा गया है कि को-आप्रेटिव सोसायटीज के जरिए राज्य के बेरोजगारों को रोजगार दिया गया है । वे कई महीनों से इन सोसायटीज के माध्यम से अपनी अपनी बसिज चला रहे थे । उन्होंने हरियाणा सरकार से मांग भी की थी कि जो टैक्स उन पर लगाया जा रहा है वे उसे देने की स्थिति में नहीं है क्योंकि उनकी कमाई इतनी नहीं है । टैक्स की वजह से वे अपनी बसिज से इतनी कमाई नहीं कर पा रहे हैं ।

सिंचाई मन्त्री (श्री जगदीश नेहरा) : सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है । सर, मैंने पहले भी डिप्टी स्पीकर साहब से अर्ज किया था और अब आपसे भी अर्ज कर रहा हूं, और यह कन्वैनशन भी है कि जिस पार्टी की जितनी स्ट्रैंथ है उसको उसी हिसाब से टाईम दिया जाएगा । लेकिन हमें तो बिल्कुल भी टाईम नहीं मिला है । ये तो आधा-आधा घंटा बोल जाते हैं । पहले भी ये 15 या बीस मिनट बोल लिए हैं और अब भी इन्होंने पांच सात मिनट ले लिए हैं । यह इनका कोई तारीका नहीं है । हमारे मैम्बर्ज को भी टाईम मिलना चाहिए । यह हैरानगी की बात है कि हमारे मैम्बर्ज को टाईम नहीं दिया जा रहा है ।

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, आप दो मिनट में ही अपनी बात समाप्त करें ।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, हमारा जिला फरीदाबाद है, वह यू0पी0 के साथ लगता है । इस वजह से हरियाणा और यू0पी0 के किसानों का आपस में भूमि विवाद बना रहता है । पिछले दिनों भी अखबारों में यह बात आती रही है

कि उत्तर प्रदेश के किसान हरियाणा की सीमाओं में दाखिल होकर यहां के किसानों की फसलें काटकर ले गए और इस प्रदेश के पुलिस अधिकारी और सारा प्रशासन आंख बन्द करके यह सारी बातें देखता रहा है। इसलिए मैं आपसे कहना चाहूंगा कि हमें अपने किसानों की रक्षा करनी चाहिए और यू0पी0 के लोग यहां के किसानों का नुक्सान करते हैं, उसके बारे में हमें सरकारी कार्यवाही करनी चाहिए। धन्यवाद।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला : अध्यक्ष महोदय, अभी जैसा दलाल साहब कह रहे थे कि फरीदाबाद में पुलिस कस्टडी में एस0पी0 ने बैठकर उस लड़के को मरवाया तो यह इनकी बात गलत है। वह लड़का मेरे हल्के का रहने वाला था और मेरा बहुत अच्छा स्पोर्टर भी था। इसलिए मैं कहना चाहूंगा कि इनको सदन में इस तरह के गलत एलीगेशन नहीं लगाने चाहिएं क्योंकि इससे सदन की गरिमा गिरती है। उस लड़के ने सुसाईड किया है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : उस लड़के की मृत्यु एस0पी0 के कारण हुई है।

प्रो0 छत्तर पाल सिंह (घिराय) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने गवर्नर ऐड्रेस पर मुझे अपनी बात कहने का मौका दिया। 26 तारीख को गवर्नर महोदय ने जो अपना अभिभाषण पढ़कर के यहां सुनाया उस के पेजिज को पढ़ते वक्त बड़ा अजीब सा महसूस होता है। जो चीजें तथ्यों से परे हों और सच्चाई से अलग हों उनकी यहां पर चर्चा की गई है। हरियाणा की विधान सभा जैसे महान सदन में तथ्यों को भ्रमित करने वाली बातें कही गई हैं। मैं यह महसूस करता था कि कुछेक चीजें उसमें ऐसी मिलेंगी जिनकी तारीफ की जाती। अगर ऐसी बात होती तो जो मुख्य मन्त्री जी को गिला है कि विपक्ष हमेशा विरोध करता है तो मुख्य मन्त्री जी को वह गिला न हो पाता। (विघ्न) स्पीकर सर, सरकार का इसमें रैफरैंस दिया गया कि बड़ी न्यायपूर्ण सरकार ने, संवेदनशील सरकार ने बड़ी ऐक्टिव और एलर्ट सरकार ने, जनहित की सरकार के कामों का जो ब्यौरा है, वह इसके अन्दर मिलता है। स्पीकर सर, पिछले सैशन में भी जिक्र आया था कि बाढ़ से जबरदस्त तबाही हुई। राम बिलास शर्मा जी इस बारे में विशेष रूप से प्वायंट आउट कर रहे थे कि हरियाणा में जो वर्षा हुई और बाढ़ आई, वह मैनमेड फ्लड था, प्रशासन की लापरवाही की वजह से पैदा की गई आपदा थी। मैं इसका उदाहरण बड़े स्पष्ट शब्दों में देना चाहता हूं। सिसाए मेरी कांस्टीच्यूएंसी का एक ऐसा गांव है, जहां वर्षा की वजह से हर साल फसल खराब होती है। पावर मिनिस्टर साहब यहां नहीं बैठे हैं उनके भी कुछ ऐसे गांव हैं जैसे पाली, राजपुर माढ़ा हैं जिनमें हर बारिश के मौसम में फसल खराब होती है। जो फ्लड आया था गवर्नमैंट अगर उसमें सचेत होती, संवेदनशील होती, न्यायप्रिय होती, अपनी जिम्मेदारी को समझने वाली होती तो हर व्यक्ति महसूस कर सकता था कि सरकार ठीक है। बारिश से हर साल जो गांव प्रभावित होते हैं उन गांवों को भी आज तक बाढ़ मुक्त करने का प्रयास नहीं किया गया। यह बड़ी जबरदस्त विडंबना है। जिन गांवों

[प्रो0 छत्तर पाल सिंह]

में हर वर्ष पानी आता था उसकी बात तो समझ में आती है कि सरकार ने एक लापरवाही का काम किया वहां पर कोई विशेष इंतजाम नहीं किए गए जिससे उनको बचाया जा सके । जो गांव हमेशा पानी की प्यास में रहते थे जहां बाढ़ का नामो-निशान तक नहीं था वहां तक पानी बाढ़ का गया है । मैंने पिछले सत्र में भी जिक्र करने का प्रयास किया था लेकिन यहां डिसक्रिमिनेशन की बात देखने को मिलती है कि पूरी तरह से मैम्बर को अपनी बात कहने का मौका नहीं दिया जाता है । स्पीकर सर, आप हमारे अधिकारों के कस्टोडियन हैं । आप भी कुछ सीमाओं के अन्दर बंधे हुए हैं । रूल्ज एण्ड प्रोसीजर को इम्पलीमैंट करवाने के लिए आप इस कुर्सी पर बैठे हैं । मैं यह बात आज इस गवर्नर ऐड्रेस पर कहना चाहता हूं । मुझे उम्मीद है कि मुख्य मन्त्री विशेष रूप से इस ओर ध्यान देंगे । इनको मेरे से तो शिकायत हो सकती है लेकिन उन गांवों के लोगों से कोई शिकायत नहीं होनी चाहिए । (विघ्न) स्पीकर साहब, राय पुर ढ़ाणी, सिकार पुर और न्याना, मैं भजन लाल जी की तवज्जो दिलाउंगा कि वे इन गांवों के नाम नोट करें । सिसाए की तरफ से व मांजोद की तरफ से बहता हुआ पानी जो खरड़ अलीपुर गांव को घेर करके हिसार कन्टोनमैंट और हिसार मेजर नहर के बीच से हिसार की तरफ बढ़ रहा था । दस दिन तक लगातार सिसाए, मांजोद से जिस पानी ने कौस किया उसके बारे में इनका एडमिनिस्ट्रेशन आंख बन्द करके सोता रहा और वह पानी बढ़ता रहा । इनको इतना ध्यान नहीं था कि आगे कन्टोनमैंट है जो नार्दर्न जोन का डिफैंस का एक बहुत बड़ा केन्द्र है । इनको यह ध्यान नहीं था कि उसको खतरा हो सकता है । यह तो मान सकते हैं कि घिराय के लोगों के डूबने की सरकार को चिंता न होती लेकिन सरकार यदि देश की सुरक्षा से संबंधित बातों का भी ध्यान न दे तो आप इसे कितनी बड़ी नैगलीजैंस कह सकते हैं कितनी लापरवाही कह सकते हैं । स्पीकर साहब, 15 दिन तक पानी जो हिसार मेजर और कैंट के बीच में बह रहा था उसका सरकार इन्तजाम नहीं कर सकी । उस पानी को बाल समंद ब्रांच से बेल आउट कर देते ताकि उस फलो को कम किया जा सकता । ऐसा करने से कैंट को और दूसरे गांवों को बचाया जा सकता था । अल्टीमेटली जब पानी वहां पर 15 दिन तक बढ़ता रहा तो एडमिनिस्ट्रेशन ने कन्टोनमैंट के लोगों से मिल कर मेजर नहर को कटवा दिया । ढ़ाणी रायपुर, सिकारपुर और न्याना के जो एक एक या आध आध एकड़ के मालिक हैं वे माली का काम करते हैं, सब्जी की खेती का काम करते हैं और अपनी रोजी रोटी कमाते हैं । स्पीकर साहब, उनकी जमीनों को पानी से तर कर दिया । गांव के अन्दर और खेतों के अन्दर पानी बहता रहा । जब गांव के लोग इक्ट्ठे हो कर वहां आ गए कि ऐसी ज्यादती हमारे साथ क्यों की जा रही है तो उनको धमकी दी गई कि अगर यहां नजदीक भी आए तो गोलियों से उड़ा दिए जाओगे । स्पीकर साहब, क्या आप इस सरकार को संवेदनशील सरकार कहेंगे, क्या आप इस सरकार को अच्छी और अलर्ट सरकार कहेंगे । किसानों की

जो प्रोब्लम एंटीसिपेट की जा सकती थी उसको भी एंटीसिपेट न करे और उनके बचाव का कोई कार्य न करे और अपनी मर्जी से नहर को कटवा कर लोगों की तबाही की तरफ यह सरकार बढ़ी । फिर सरकार ने एक मुआवजे का एलान किया। इसने सैंट्रल गवर्नमैंट से 570 करोड़ रुपए कर्जे के रूप में और ग्रांट के रूप में लिए । हरियाणा सरकार ने भी शायद कुछ अपने फंड से भी मैनेज किया होगा । फिर सरकार ने यह कहा कि प्रकृति की विपदा से जो नुकसान हुआ है उसके लिए मुआवजा दिया जाएगा । उसकी रेशो नौमिनल तय की गई जिससे खाद का कट्टा भी नहीं आता । लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि सरकार की लापरवाही की वजह से, कमी की वजह से और उसकी गल्ती की वजह से गांवों में पानी काट कर भेजा गया । उससे जिन लोगों का नुकसान हुआ क्या उनको सौ परसैंट मुआवजा देने का इस सरकार का फर्ज नहीं बनता ? यदि सरकार किसी का गला घोटती है, किसी को मारती है या किसी की आर्थिक व्यवस्था को बिगाड़ती है तो क्या सरकार की जिम्मेदारी नहीं बनती । स्पीकर साहब, मैं मुख्य मन्त्री जी से अश्योरैंस चाहूंगा और कहना चाहूंगा कि आपके डी0सी0 और कमिशनर कुछ नहीं लगते, आपके तो लोग लगते हैं क्योंकि आप उनके प्रतिनिधि हैं । आपका फर्ज बनता है कि अगर किसी ने एडमिनिस्ट्रेशन ग्राउंड पर कोई लापरवाही की है तो आप उनके खिलाफ एक्शन लीजिए और उस जिम्मेदारी को लेते हुए लोगों को सौ परसैंट कम्पनसेट कीजिए । उसमें आपका कुछ नहीं जाता, आपकी पापुलैरिटी बढ़ती है । ऐसा करने से हम भी उन लोगों को कह सकते हैं कि वाकया ही आज जन हित की बात सरकार के माध्यम से की गई है । स्पीकर साहब, मैं गुजारिश करना चाहता हूं कि इनके अधिकारियों ने एक दिन के अन्दर बैठ कर 15–15 गांवों का सर्वे दिखाया । ट्यूबवैल्ज़ भी चैक कर लिए, खेती के किल्ले भी चैक कर लिए कि कितने एकड़ में नुकसान हुआ है आप एक पोलिटिकल आदमी हैं और आप यदि किसी गांव का टूर करते हैं और चौपाल में जा कर लोगों के बीच में हाथ जोड़ते हैं तो आप 8–10 गांवों से ज्यादा कवर नहीं कर सकते । इन्होंने 15–15 गांवों का रिकार्ड एक दिन में चैक कर दिया कि किस का कितना कितना नुकसान हुआ । क्या यह बात आपको प्रैक्टिकल लगती है ? तो जो उन लोगों के साथ अन्याय हुआ है मैं उदाहरण के साथ कह सकता हूं कि राजली, सरसौद और बिचपड़ी मेरे क्षेत्र के गांव हैं । सिसाए, माजोदा, खरड़ अलीपुर और रायपुर ढाणी के लोग आज तक मारे मारे फिर रहे हैं ।

उन्होंने अधिकारियों के खिलाफ एफीडेविट दिए हैं । सिसाए के पटवारी के खिलाफ आठ एफीडेविट आज तक दिए गए हैं । यदि यह सरकार संवेदनशील होती तो मैं मुख्य मन्त्री जी से पूछना चाहता हूं कि पटवारी के खिलाफ, कानूनगो के खिलाफ और तहसीलदारों के खिलाफ एक्शन क्यों नहीं लिया गया जिन्होंने 15–15 दिन का गांवों का सर्वे एक दिन में दिखा दिया, उनके खिलाफ एफीडेविट दिए गए हैं । There is no practical survey at all उनके खिलाफ आज तक कोई

[प्रो0 छत्तर पाल सिंह]

कार्यवाही नहीं की गई है । स्पीकर साहब, क्या मैं यह समझूं कि सरकार के मुख्य मन्त्री और सरकार के वजीरों से लेकर एडमिनिस्ट्रेशन के पियन और पटवारी तक मिले हुए हैं । स्पीकर साहब, वे इस बात का अंदाजा नहीं लगा सकते कि एक व्यक्ति सरेआम रिश्वत खाता है, उसके खिलाफ एफीडेविट आते हैं । आप एफिडेविट देने वालों के खिलाफ नियम 182 के तहत कार्यवाही कीजिए या उन लोगों के खिलाफ कार्यवाही की जाए जिनके खिलाफ एफीडेविट आते हैं । स्पीकर साहब, डी0सी0 हिसार और एस0डी0एम0 हांसी जिनके पास एफीडेविट हैं, एक व्यक्ति मुआवजे के लिए उनके पास बार-बार जाता है । मुझे पता है कि रैस्ट हाऊस हिसार में ट्रालियां भर-भर कर लोग गये और मुख्य मन्त्री महोदय से मिले थे । मुख्य मन्त्री जी ने यह बात कह दी कि मुआवजे की तारीख चली गयी है, अब आपको कोई मुआवजा नहीं मिलेगा । यदि मुख्य मन्त्री जी इस बात के बारे में कहेंगे कि स्पीकर साहब, मैं आन दी फ्लोर आफ दी हाऊस यह बात कह रहा हूं और बड़ी जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूं जल्दी में मेरे मुंह से यह बात निकली होगी । यदि यह बात है तो आज तक मुआवजा क्यों नहीं मिला मुझे समझाइये । उन अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्यवाही क्यों नहीं की गई । मुख्य मन्त्री जी आश्वासन दे देते तो उन लोगों के दिल में मुख्य मन्त्री के लिए बड़ी जगह बनती । मैं मन्त्री जी की तारीफ करूंगा जो बातें मैंने बतायी हैं, जो मेरी कांस्टीच्यूएंसी से संबंधित हैं अगर आप उनके प्रति एक्शन लें । (व्यवधान)

राजस्व मन्त्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी) : प्रो0 साहब आप एफीडेविट की बात कर रहे हैं । आप एफीडेविट की बात तो छोड़िए आप एक सिम्पल एप्लीकेशन ही दिला दें फिर देखें कि एक्शन होता है या नहीं होता है ।

Prof. Chhattar Pal Singh : If you have any doubt, why don't you enquire this thing from your Deputy Commissioner or S.D.M., whether such affidavits have been given or not. If you do it, I shall be grateful to both of you. (Noise & Interruptions). मैंने लिखकर भेजा है और आपके डी0सी0 साहब से भी चार बार मिला हूं । मख्य मन्त्री जी आप पर मैंने शक कर लिया था इसलिए मैं नहीं आया हूंगा लेकिन आपके पास लोग गये थे .....(व्यवधान) स्पीकर साहब, मैंने आपको मकानों के मुआवजे के मुतल्लक रैफरैंस दिया है । जो पशुओं के मुआवजे के मुतल्लक है, जो उन लोगों के एग्रीकल्चर लौसिज के मुतल्लक है उस बारे में स्पीकर साहब, मैं एक बात कहना चाहता हूं कि सरकार एक बात तय कर दे कि एनीमल्ज का जो लौस हुआ है उसका भी मुआवजा मिलेगा ? दूसरी तरफ जो भेड़ों का काम करते थे उनको घोषणा कर दी गई सिसाए में । भेड़ बकरियों के अनेकों ऐसे केन्द्र हैं जिन्हें कि लोग चलाते हैं लेकिन उनको मुआवजा नहीं दिया गया है । स्पीकर साहब, सरकारी सम्पदाओं की मैंटीनेंस के लिए पैसा दिया गया है । स्पीकर साहब,

मैं अनेकों रोडज के नाम आपको काउंट करवा सकता हूं जिन पर आज तक कोई काम नहीं हुआ और जबरदस्त गड्ढे बने हुए हैं। जैसे सबलपुर भादों से राजली होते हुए, बरवाला से हांसी होते हुए, बणासों से लेकर घिराय होते हुए हिसार-हांसी को जो रोड मिलता है उस की भी हालत खराब है। स्पीकर साहब, दौलतपुर पेटवाड़ तक बाया फरीदपुर जो रोड जाता है उसका भी बुरा हाल है। खेड़ी से उकलाना जो रोड जाता है उसकी भी हालत खराब है। शादू से कनाला जो रोड जाता है उसका भी यही हाल है। रायपुर ढाणी और सिकारपुर जहां पानी आज तक भी खड़ा है, वह सारा रास्ता बहुत खराब है। महाद और सिसाए रोड पर पांच-छः साल से पत्थर और रोड़े पड़े हैं, वह पैसा वेस्ट होने लग रहा है। आज तक उस सड़क का कोई मुकम्मल इंतजाम नहीं हुआ है। सिसाए से हांसी और जीन्द की जो सड़क है, उसका बुरा हाल है। स्कूलज, हास्पीटलज तथा और भी गवर्नमैंट की प्रोपर्टीज है, यह गवर्नमैंट का अपना धन है, उसकी मेन्टीनेंस पर जो पैसा सरकार ने दिया है मैं उसको समझने में असमर्थ हूं। यह जनहित की सरकार है। यह सरकार इस तरफ तवज्जो क्यों नहीं दे रही है ? स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से गुजारिश करना चाहता हूं कि यहां पर सरकार यह एश्योरेंस दे कि फ्लड से जो नुक्सान हुआ है उसका दोबारा से सर्वे कराया जाएगा। उसके आधार पर जिन अधिकारियों ने कोताही की है उनके खिलाफ ऐक्शन लिया जाए और लोगों को कम्पनसेट किया जाए। यहां पर जिक्र आया कि यह सरकार जनहित की सरकार है।

श्री अध्यक्ष : आप वाइंड-अप करें।

Prof. Chhattar Pal Singh : Sir, I will try to wind up my speech within 5 or 10 minutes. Sir, I am relevant today. (Interruptions).

श्री अध्यक्ष : वैसे तो आप ठीक बोल रहे है।

प्रो० छत्तर पाल सिंह : स्पीकर साहब, मैं ठीक ही बोल रहा हूं और मैं ठीक ही बोलूंगा, अगर आप मुझे बोलने के लिए समय देंगे। मैं अच्छा ही बोलूंगा। एक बात मैं शिक्षा के बारे में कहना चाहूंगा कि अगर डैमोक्रेटिक पैट्रन के अन्दर वोटर्ज को पूरी तरह से शिक्षित नहीं किया जाएगा तो पोलिटीशियंज उनको ब्लैकमेल करने की कोशिश करेंगे। जो व्यवस्था सारे हिन्दुस्तान में हरियाणा की पोलिटिक्स के थीम पर आई, उसका एक ही कारण है कि मतदाता अपनी छोटी-छोटी मजबूरियों की वजह से, बिना किसी मैरिट-डीमैरिट को ध्यान में रखते हुए अपना वोट डालने के लिए मजबूर था और पोलिटीशियंज मजबूर थे कि वे उनकी इच्छाओं के मुताबिक काम करें। Today the situation is changed. The situation is that the leaders are led by the people and not that the people are led by the leaders. जिन लोगों ने वोट देने हैं, लीडर उनको फालो करने का प्रयास करते हैं चाहे वे ठीक कहें चाहे गलत कहें क्योंकि उन्हें दोबारा विधान सभा या पार्लियामैंट में बैठने की

[श्री० छत्तर पाल सिंह]

लालला होती है । इससे व्यवस्था बिगड़ती जाती है । यदि सरकार एजूकेशन पर तवज्जो देती तो अच्छा होता । मैं एजुकेशन मिनिस्टर से पूछना चाहता हूं कि आपने कितने स्कूलों का रेड किया और कितने स्कूलों की व्यवस्था को चैक किया कि आया टीचर्ज सुबह से शाम तक स्कूलों में बैठते हैं या नहीं और सुबह से शाम तक बच्चों को पढाते हैं या नहीं । स्पीकर साहब, दिल्ली के अन्दर पिछले 46 दिन से अध्यापक धरने पर बैठे हुए हैं । उसके बारे में विधान सभा के अन्दर भी एक क्वैश्चन आया था । मैं समझता हूं कि यह अच्छा होता यदि दो दिन, पांच दिन या 10 दिन के बाद मुख्य मन्त्री जी उनको बुला कर मामला सैटराइट करते और कहते कि बच्चों की पढ़ाई वेस्ट हो रही है, आपकी जो जायज मांगें हैं उनको सरकार मानेगी तो विधान सभा में वह सवाल उठाने की जरुरत नहीं पड़ती । स्पीकर साहब, मुख्य मन्त्री जी को आभास होगा और याद भी होगा जब मैं इनकी कैबिनेट में टैक्नीकल एजूकेशन मिनिस्टर था । उस समय मैंने इनकी सुविधा के लिए लड़ाई लड़ी थी । टैक्नीकल एजूकेशन के रिजल्टस भी आए । मुख्य मन्त्री जी इस बात से पूर्ण रूप से सहमत थे कि दिन रात रेड करके दिन रात भागदौड़ करके टैक्नीकल एजूकेशन का नाम हरियाणा में इस टैन्योर के अन्दर उभर कर आया है । वह सिर्फ इसलिए था कि यदि आप टीचर्ज के इंट्रैस्ट को देखेंगे तो आप उनसे 24 घंटे काम लेना भी मुनासिब समझेंगे और टीचर्ज काम करना भी पसंद करेंगे । टीचर्ज की बदलियों से हमें कुछ नहीं लेना देना, उनको आपने जहां पर उठा कर फैंकना है फैंक दें । जहां पर बदली करनी है वह कर दें, हमें इससे कुछ नहीं लेना देना । यदि कोई टीचर अपने गांव में रह कर बच्चों को पढ़ाना चाहता है तो बच्चों को गांव में भी पढ़ाया जा सकता है । मैं एक गुजारिश करना चाहता हूं कि स्पोर्टस क्षेत्र के अन्दर विलेज डिवैल्पमैंट की बात को ले कर जो चीज लिखी गई है, मैं समझता हूं कि आज शारीरिक व्यवस्था की आवश्यकता है और सरकार उसको पूर्ण रूप से इग्नोर करने की कोशिश कर रही है । स्पोर्टस क्षेत्र में जो जो लड़के मैरिट पर हैं उनको प्रायटी के आधार पर रिजर्वेशन दे कर सर्विस दी जाए और उनकी कोई पर-सैंटेज तय की जाए । इससे उनकी सेहत अच्छी रहेगी और मजबूत रहेगी । चीफ मिनिस्टर साहब अच्छी तरह से जानते होंगे कि विलेज डिवैल्पमैंट के लिए जो पैसा जाता रहा है उसके बारे में डिवैल्पमैंट मिनिस्टर ने आज तक कोई चैकिंग नहीं की । जिस किसी बी०डी०ओ०, एक्सीयन या जे०ई० ने इस बारे में कोई गल्ती की है उसके खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया गया । गांवों की गलियों में ईंटें उल्टी सीधी लगा देते हैं और उन ईंटों को दूसरे या तीसरे साल पाड़ कर लैवल को बदलना पड़ता है । इसके अलावा मैं एक बात यह भी कहना चाहता हूं और यह बात मैंने पिछले सैशन में भी कही थी कि एम०एल०एज० को उनकी कांस्टीच्यूएंसी में डिवैल्पमैंट के काम करवाने के लिए जो 20 लाख रुपए की किश्त जाती है वह पूरी नहीं जाती है । वर्ष 1994-95 में मुझे 20 लाख रुपए में से केवल 8 या साढ़े 8 लाख रुपए ही

ही मिले । मैं जानना चाहता हूं कि यह पैसा मुझे किस डिस्क्रीमीनेशन के तहत दिया गया । मैं समझता हूं कि सरकार मुझे वह पैसा पूरा करके देगी । आज भी आपने एनुअली 50 लाख रुपए देने के बारे में अनाउंस किया है, वह भी मेरे हल्के को पूरा नहीं मिला है । मैं चाहूंगा कि जो पैसा विधायक की डिस्पोजल पर दिया जाए वह पूरा दिया जाए । वह पैसा विधान सभा के स्पीकर का नहीं है, यह पैसा चौधरी भजन लाल जी का नहीं है । वह सरकार का पैसा है । बार-बार 15.00 बजे | लोग उसके अन्दर कमीशन खा रहे हैं । उन गलियों का सैवल ठीक नहीं है । We are wasting the money. We are not serving the villagers. तो स्पीकर साहब, मैं डिवैल्पमैंट मिनिस्टर से यह चाहूंगा कि वे गांवों की डिवैल्पमैंट की तरफ विशेष ध्यान दें।

श्री अध्यक्ष : पंचायत का भी फर्ज बनता है कि वह देखे कि आया काम ठीक हो रहा है या नहीं । वे सारे काम को सुपरवाईज कर सकती हैं ।

प्रो० छत्तर पाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, पंचायत यदि ठीक ध्यान नहीं दे रही तो जो बी० डी० ओज० के माध्यम से काम हो रहा है उस पर सरकार को नजर रखनी चाहिए ।

श्री अध्यक्ष : आप बैठिये । आपका समय हो गया ।

प्रो० छत्तर पाल सिंह : मैं जल्दी ही खत्म कर देता हूं। आप मुझे दो मिनट का समय और दीजिए ।

श्री अध्यक्ष : ठीक है ।

प्रो० छत्तर पाल सिंह : I am very grateful to you for extending my time. यहां पर एस०वाई०एल० का जिक्र आया है । इस मुद्दे पर सरकार अब सुप्रीम कोर्ट में चली गई । आज कांग्रेस पार्टी की सरकार दिल्ली में है, पंजाब में है और हरियाणा में भी है । मैं इस बात को समझता हूं कि एक चीफ मिनिस्टर की एक पोलिटिकल समस्या हो सकती है at the cost of the State interest and at the cost of the farmers interest. स्पीकर साहब, मैं समझता हूं कि भजन लाल जी इस बात में बड़ी मजबूती दिखायें जिसमें कोई अपोजीशन का सदस्य, आपका वजीर और आपका एम०एल०ए० भी इंकार नहीं करेगा । आप स्टेट के इन्ट्रैस्ट के लिए एक प्रस्ताव पास करके भेज दें कि एस०वाई०एल० नहर जल्दी बनायी जाये । यदि ऐसा आप कर देते हैं तो सारी जनता आपके साथ होगी और प्रदेश के लोग समझेंगे कि भजन लाल जी वाकई इस मुद्दे के प्रति सजग हैं । भले ही प्राईम मिनिस्टर इस बात को न मानते लेकिन लोगों तक आपकी बात तो पहुंच जाती कि आप इस मुद्दे के प्रति चिंतित हैं और वाकई इस नहर के बनाये जाने में आप का इन्ट्रैस्ट है ।

[प्रो0 छत्तर पाल सिंह]

एक बार अखबार में छपा कि प्रो0 छत्तर पाल सिंह इस नहर के मुद्दे पर चण्डीगढ़ से यात्रा करेंगे और दिल्ली में प्रधान मन्त्री जी से इस बारे में भेंट करेंगे। लेकिन मुझे बड़ा भारी ताज्जुब हुआ जब भजन लाल जी ने इस बारे में एतराज किया। इन्होंने मुझे कहा कि आप एस0वाई0एल0 नहर के बारे में कोई यात्रा नहीं करेंगे। मैंने कहा कि यह तो स्टेट के इन्टैरस्ट की बात है और आपके फेवर की बात मैं करूंगा, लेकिन मेरी बात नहीं मानी गयी।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं ला एण्ड आर्डर की बात करना चाहूंगा। यहां पर कहा गया था कि राम राज कायम होगा। यदि राम राज कायम नहीं हुआ तो कम से कम लोगों की सुरक्षा का तो इंतजाम होना चाहिए। स्पीकर साहब, इस बात से सभी सहमत होंगे कि इस सरकार के आने के बाद अनेकों कांड हुए। कादमा कांड हुआ। वहां पर अनेकों किसान मारे गए। गोली चली। फिर चीफ मिनिस्टर कहते हैं कि हमारे यहां पर ला एण्ड आर्डर की स्थिति ठीक है। यदि सही ला एण्ड आर्डर होता तो कादमां कांड न होता। राम बिलास जी ने भी अखबार का यह चित्र दिखाया था। स्पीकर साहब, यदि इस चित्र को आप देख लेंगे तो आपका कलेजा भी हिल जाएगा। रेणुका के साथ आठ-आठ आदमियों ने रेप किया और उसके बाद उसे मौत के घाट उतार दिया। केस सी0बी0आई0 को चला गया लेकिन आगे कोई कार्यवाही नहीं हुई। क्या हम यह समझें कि इसमें कोई मंत्री या विधायक की संलिप्तता है। इसी प्रकार से करनाल में द्रौपदी कांड हुआ। उस पर कोई भी कार्यवाही नहीं हुई। आज जनता का हरियाणा की पुलिस से विश्वास उठ गया है। पहले हरियाणा की पुलिस सबसे अच्छी मानी जाती थी लेकिन अब पता नहीं क्यों यहां की पुलिस किसी केस में एक्शन नहीं लेती। क्या इसमें हम यह समझें कि इन कांडों में सरकार का कोई चहेता शामिल है। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, मेरी आपके माध्यम से चौधरी भजन लाल जी से गुजारिश है कि इस किस्म की बदमजगी यहां पर न फैलने दें। जैसा कि मैं कह रहा था कि कोई भी केस हो जाये तो लोग सी0 बी0 आई0 की जांच की मांग करते हैं। यहां की पुलिस से लोगों का विश्वास उठ गया है। तीन तीन आई0 पी0 एस0 अधिकारियों को कोर्ट से सजा होती है लेकिन फिर सरकार उनको रि-इन्स्टेट कर देती है। रिक्रूटमैंट में गड़बड़ होती है और कोर्ट से 1700 सिपाहियों को नौकरी से हटाने के आदेश होते हैं। स्पीकर सर, मैं मुख्य मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि लोगों से जो रिक्रूटमैंट के लिए 40-40 हजार रुपए लिए गए थे, मैं मानता हूं कि ये आंकड़े आपके लैवल के नहीं हैं लेकिन जिन अधिकारियों, जिन लोगों ने लिए हैं उनके खिलाफ क्या एक्शन लिया गया। यदि लार्ज स्केल पर रिक्रूटमैंट रद्द होती है तो आपने उनके खिलाफ क्या कार्यवाही की है। मुख्य मंत्री महोदय यह स्थिति स्पष्ट करें। मुख्य-मंत्री महोदय, आप लोगों को बताएं कि जिन लोगों ने यह पैसा लिया है उनके

खिलाफ क्या कार्यवाई हुई है ? अध्यक्ष महोदय, कोई एस० पी० या डी० आई० जी० जिन्होंने इनको इंडीकेट किया कि गलत रिक्रूटमैंट होने लग रही है क्या उनको कोई रिवार्ड आपने दिया । जिन अधिकारियों की रेंजिज में यह गलत रिक्रूटमैंट हुई बिना एडवरटाईजमैंट के, बिना किसी रूल्ज रैंगूलेशन के उसके बावजूद भी इसको गलत तरीके से इम्लीमैंट कर दिया गया । अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री ने उनके खिलाफ कोई कार्यवाई नहीं की । On moral grounds, the Home Minister should resign. यहां केवल 40-40 हजार की बात नहीं है, यहां तो करोड़ों के हवाले की बात है । करोड़ों रुपए खाए जाते हैं । मैं यह अश्योरैंस चाहता हूं कि मुख्य मंत्री महोदय, आप इन सारी बातों का हाऊस में जवाब दें । अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आपका आभार प्रकट करते हुए अपना स्थान लेता हूं ।

चौधरी ओम प्रकाश बेरी (बेरी): अध्यक्ष महोदय, 26 तारीख को राज्यपाल महोदय द्वारा दिए गए अभिभाषण पर जो धन्यवाद का प्रस्ताव आया, उस पर सदन में चर्चा हो रही है । पहले तो मैं एक नैतिकता का सवाल रखता हूं । इस सरकार के सिर्फ दो या अढ़ाई महीने रहते हैं और जो अभिभाषण राज्यपाल ने सदन में सरकार की तरफ से पढ़ा, वह आने वाले 1996-97 साल के लिए पौलिसी स्टेटमैंट है । नीति संबंधी ब्यान तो अगली सरकार को देना होता है । इस सरकार को नीति संबंधी ब्यान देने का कोई अधिकार नहीं है । औपचारिकतावश यह अच्छी बात होती अगर वे सैशन के समय नीति संबंधी ब्यान न देते लेकिन इन्होंने अपनी जिद्द करके अभिभाषण में अपना नीति संबंधी ब्यान दिलवा लिया है । राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के लिए हाऊस में यह आधार बन गया है । इसके बारे में दो तीन प्वायंटस धन्यवाद प्रस्ताव में आए हैं, मैं उनका विरोध करने के लिए खड़ा हुआ हूं । सबसे पहले पैरा नं० 3 में राज्यपाल महोदय ने हरियाणा प्रदेश के अन्दर कानून व्यवस्था का जिक्र किया है और क्लेम किया है कि साल 1995 में प्रदेश के अन्दर कानून व्यवस्था बहुत बढ़िया रही । लेकिन इस बात की जनता गवाह है कि आज प्रदेश के अन्दर कानून का राज नहीं है, जंगल का राज कायम है । बलात्कार, अपहरण, ,डकैती, लूटपाट इस प्रदेश के अन्दर आज एक उद्योग की तरह से विकसित हुए हैं । इसका उदाहरण एक नहीं सैकड़ों मिल सकते हैं । 1995 के, 1994 के, 1993 के तथा 1992 के मिसाल हैं । 1991 से इस सरकार का राज है । करीब पौने 5 साल इस सरकार को बने हुए हो गए हैं । अगर मैं इसको कांडों की सरकार कहूं तो बिल्कुल उचित बात होगी । इस बात के गवाह कौन कौन से कांड हैं । द्रौपदी कांड करनाल का, रेणुका कांड यमुनानगर का ।

श्री अध्यक्ष : ये सारी बातें पहले कई दफा आ चुकी हैं इसलिए इनको रिपीट करने की जरूरत नहीं है ।

चौधरी ओम प्रकाश बेरी : मैं इसकी डिटेल में नहीं जा रहा हूं । किसानों पर गोलियां चलाई गई । नारनौल कांड, पिरथला कांड, टोहाना कांड, कादमा कांड, भूतमाजरा कांड और हमारे इलाके के बहादुरगढ़ में, 6–6, 7–7 साल की छोटी-छोटी बच्चियों का अपहरण करके, उनका बलात्कार करके उनकी हत्याएं कर दी गई। यह इस बात का सबूत है कि प्रदेश के अन्दर कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा कर रह गई है । अध्यक्ष महोदय, मुख्य मन्त्री जी के दामाद से सम्बन्धित मुकद्दमें में एक आई0 पी0 एस0 अधिकारी और पुलिस के 2 कनिष्ठ अधिकारियों को जेल भेज कर सुप्रीम कोर्ट ने इस प्रदेश की कानून-व्यवस्था की पोल खोल करके रख दी है । जब वे अधिकारी जेल काट कर आए तो बजाय उनके खिलाफ डिपार्टमैंटल इन्क्वायरी करवाने के आते ही उनको ड्यूटी पर बिठा दिया । इससे साफ जाहिर होता है कि सरकार उन पर दबाव डाल कर उनसे गलत काम करवा रही थी, गैर कानूनी काम करवा रही थी जिससे सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को अपने हाथ में ले कर उनको सजा देने का काम किया । दूसरे कई केसों में भी सुप्रीमकोर्ट ने एक आई0 पी0 एस0 अधिकारी और पुलिस डिपार्टमैंट के कई अन्य कनिष्ठ आफिसरों को जेल भेज कर सरकार को कटघरे में ला कर खड़ा कर दिया है । हरियाणा पुलिस पर आज लोगों को ऐतबार नहीं रहा । इसी कारण जब भी कोई घटना हो जाती है तो जो इन्फौरमैंट होता है वह बार-बार कहता है कि मेरे मुकद्दमे की जांच सी0 बी0 आई0 से होनी चाहिए । हरियाणा सरकार के लिए यह बड़ी शर्म की बात है कि आज 14 केसिज में सी0 बी0 आई0 जांच कर रही है । हरियाणा पुलिस कतई निष्क्रिय हो चुकी है और लोगों का इस पर से कतई विश्वास उठ चुका है । बार-बार मामलों में सी0 बी0 आई0 से जांच होने की बात हो रही है । इसका एक उदाहरण छतरपाल सिंह जी ने दिया था । मैं भी उसको थोड़ा सा दोहराते हुए एक बात कहना चाहता हूं । सिविल लाइन, हिसार थाने में एफ0 आई0 आर0 नं0–29 डेटिड 9–1–1993 दर्ज हुई और मुख्य मन्त्री ने आश्वासन दिया कि पूर्व गृह मंत्री के खिलाफ जिन्होंने अपनी हैसियत से बहुत ज्यादा पैसा इकट्ठा कर लिया है, जरूर जांच की जाएगी और किसी को बख्शा नहीं जाएगा । इस विधान सभा में भी यह बात उठाई गई थी और विधान सभा में भी मुख्य मन्त्री जी ने कहा कि वे इस मामले में इन्साफ करेंगे । आज तीन साल बीत गए हैं, तीन साल इन्तजार करने के बाद आज हाई कोर्ट में मुकद्दमा डालना पड़ा है कि इस मामले में कार्यवाही नहीं हो रही है । मुख्य मन्त्री जी इस बात का जवाब दें कि क्या कारण था जिसकी वजह से 3–3 साल से एफ0 आई0 आर0 दर्ज होने के बाद भी मामले में कार्यवाही नहीं हुई, मामला विचाराधीन पड़ा रहा । क्या यह मामला पौलिटिकल आधार पर दर्ज किया गया था और बाद में कोई पौलिटिकल प्रैशर पड़ गया जिसकी वजह से उस पर कार्यवाही नहीं हुई । इस बारे में मुख्य मन्त्री जी और सरकार को स्पष्ट जवाब देना चाहिए ताकि हरियाणा की जनता को पता लग सके कि यह सरकार किस ढंग से काम कर रही है । जब-जब किसान या दूसरे लोग अपनी मांगों

को लेकर आन्दोलन करते हैं, एजिटेशन करते हैं तो सरकार उनकी मांगे मानने की बजाये उन पर गोलियां चलाने का काम करती है । आज पूरा अध्यापक वर्ग इस बात को ले कर स्पष्ट है कि हरियाणा सरकार के बार-बार आश्वासन दिये जाने के बावजूद भी उनकी मांगों पर गम्भीरतापूर्वक विचार नहीं किया गया, उनकी मांगों को मानने की बात तो छोड़ दीजिए । मजबूर हो कर और दमन चक्र से डर कर हरियाणा प्रदेश के अध्यापक दिल्ली में अपना आन्दोलन चला रहे हैं । उनके पदाधिकारी मास्टर राम पाल दहिया का आज 47वां दिन आमरण अनशन पर बैठे हुए हो गया है और दूसरे पदाधिकारी श्री तहलान का 33वां दिन अनशन पर बैठे हुए हो गया है ।

श्री अध्यक्ष : बेरी साहब, ये सब बातें तो पहले आ चुकी हैं, आपने कोई और बात कहनी हो तो कहिए ।

चौधरी ओम प्रकाश बेरी : स्पीकर सर, अगर मुझे बोलने का हक न हो तो मुझे बता दीजिए । मुझे भी अपनी बात कहने का हक है । उनकी बात मानने की बात तो छोड़ दीजिए सरकार ने उनसे बात करना भी जरूरी नहीं समझा । यह इस बात का नमूना है कि सरकार कर्मचारियों के साथ किस प्रकार की सहानुभूति रखती है । मैं मुख्य मंत्री जी से कहूंगा कि वे हाउस में आश्वासन दें कि जो उनकी चट्टोपाध्याय कमेटी की रिपोर्ट को इम्पलीमैंट करने बारे मुख्य मांग एक अर्से से चली आ रही है उस पर विचार करेंगे । इससे कोई लम्बा चौड़ा फर्क पड़ने वाला नहीं है, अध्यापकों की इससे मदद हो जाएगी । सरकार चट्टोपाध्याय कमेटी की रिपोर्ट को मान कर अध्यापकों से कहे कि वे अपना अनशन छोड़ दें, हम बात करने के लिए तैयार हैं । अध्यक्ष महोदय, पैरा नं0 13 में राज्यपाल महोदय ने बाढ़ के बारे में जिक्र किया है । मैं इस बारे में बताना चाहूंगा कि सरकार ने अप्रैल, 1995 से जुलाई, 1995 तक बाढ़ रोकने की तैयारी के नाम पर करोड़ों रुपये के झूठे बिल बना कर अपनी जेबों में डालने का काम किया है जबकि न तो किसी ड्रेन की खुदाई हुई और न किसी नहर की खुदाई या सफाई की गई । 3–4 सितम्बर को जब बारिश हुई उससे जान माल की तबाही हुई और नहरों में पूरा पानी छोड़ने से इसको और वीभत्स बना दिया । लोगों की हालत बद से बदतर होती चली गई । अध्यक्ष महोदय, मैं मानता हूं कि प्राकृतिक प्रकोप की वजह से नुक्सान हुआ है । बहुत जबरदस्त बारिश हुई और बारिश की वजह से हरियाणा प्रदेश के अन्दर भारी तबाही हुई । सरकार का फर्ज बनता था कि लोगों को इस तबाही से राहत प्रदान करने का काम करती लेकिन 15 दिन तक सरकार कहीं दिखाई नहीं दी । डीजल पम्प और इलैक्ट्रिक मोटर्ज खराब हुई पड़ी थीं लेकिन सरकार ने उनको ठीक करवाना उचित नहीं समझा और न ही ड्रेनों की सफाई करवाना अपना काम समझा । मैं तो यह कहूंगा कि यह जो बाढ़ आई यह इस भ्रष्टाचारी सरकार के लिए एक

[चौधरी ओम प्रकाश बेरी]

वरदान साबित हो गई । अध्यक्ष महोदय, यह जो केन्द्र सरकार से 700 करोड़ रुपया आया है, इसको देने में इतनी धांधली हुई है जिसका कोई हिसाब ही नहीं है । मैं तो यह कहूंगा कि जिन लोगों को मुआवजा दिया गया है उनके बारे में इनको एक श्वेत पत्र जारी करना चाहिए कि इन-इन लोगों को मुआवजा दिया गया है । अध्यक्ष महोदय, जहां पर रबी की फसल नहीं हुई है वहां पर भी लोगों को मुआवजा दिया जाना चाहिए । हमारे इलाके में ईख की फसल बर्बाद हो गई है लेकिन वहां पर लोगों को मुआवजा नहीं दिया गया है । यहां से रैवेन्यू डिपार्टमैंट ने आर्डर कर दिए कि ईख की फसल वालों को मुआवजा नहीं दिया जाएगा । मैं यह कहना चाहता हूं कि जिनकी ईख की फसल बर्बाद हुई है उनको भी मुआवजा दिया जाए । इस बारे में सदन में मुख्य मन्त्री जी आश्वासन दें । (**इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए**) जिनकी गेहूं की फसल खेतों में बर्बाद हो गई थी उन लोगों को भी मुआवजे से वंचित करने का काम किया गया है । मैं सरकार से कहता हूं कि इस मामले पर भी विचार करे । इसी प्रकार से बाढ़ के दौरान जिन लोगों के मकान गिर गए या जिनके मकानों में दरारें आ गई हैं उन लोगों को अभी तक पैसा नहीं दिया गया है । उन लोगों को भी मुआवजे से वंचित कर दिया गया है । सरकार को वहां पर दोबारा से सर्वे करवाना चाहिए और जो लोग रह गए हैं उनको भी मुआवजा दिया जाए । इसके साथ ही तीसरी बात बिजली के बारे में पैरा नं0 17 है । इस बारे में तरह-तरह की योजनाओं का जिक्र किया गया है कि हम बिजली का उत्पादन बढ़ाने के लिए काम करने जा रहे हैं । आज हरियाणा में तीन-तीन गुणा बिजली का बिल देने के बाद भी बिजली नहीं मिल रही है । * * *

* * * * * *

* * * * * *

चौधरी भजन लाल : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है । ये जो 50 लाख रुपया बिजली बोर्ड को देने की बात कह रहे हैं, मैं यह पूछना चाहता हूं कि ये किस विषय पर बोल रहे हैं । इस बात को कार्यवाही से निकाल देना चाहिए ।

श्री उपाध्यक्ष : इस बात को कार्यवाही से निकाल दिया जाए ।

चौधरी ओम प्रकाश बेरी : उपाध्यक्ष महोदय, पैरा नं0 16 में एस0 वाई0 एल0 नहर बनाने के बारे में कहा है । उपाध्यक्ष महोदय, जून 1991 में जब यह सरकार आई तो उस वक्त मुख्य मन्त्री जी ने कहा था कि एस0 वाई0 एल0 नहर कम्पलीट करवाने के काम के आगे भजन लाल का नाम लिखा होगा । लेकिन आज तक वहां पर एक ईंट भी नहीं लगवाई गई है । इसी तरह से यमुना

---

*चेयर के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया ।

वाटर एकोर्ड 12 फरवरी 1952 में हुआ था । जिसमें पानी का सिर्फ दो ही सूबों का हक था । ये सूबे थे हरियाणा और यू0 पी0 । लेकिन इन्होंने हरियाणा का हक दिल्ली को दे दिया, राजस्थान को दे दिया, हिमाचल को दे दिया और यू0 पी0 को दे दिया । सरकार यह भी कहती है कि हथनीकुण्ड बैराज का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है । मैं आपको दो महीने पहले की बातें बता रहा हूं, अब का तो मुझे पता नहीं कि काम शुरू हुआ है या नहीं लेकिन दो महीने पहले तक तो वहां पर एक ईंट लगने का काम भी शुरू नहीं हुआ था । हालांकि इन्होंने वहां पर विद्याचरण शुक्ल को लाकर उसका फाउन्डेशन स्टोन रखवा दिया था लेकिन वहां दो महीने पहले तक तो काम शुरू नहीं हुआ था । अगर अब हो गया हो तो अच्छी बात है । सर, इनको झूठा क्लेम नहीं करना चाहिए ।

श्री जगदीश नेहरा : सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है । मैंने आपसे भी और फिर स्पीकर साहब से भी गुजारिश की थी कि हमारे पास जो मैम्बर्ज हैं उनको उनकी संख्या के हिसाब से टाईम मिलना चाहिए । हम आपको कल से कह रहे हैं और हमने आपको अपने मैम्बर्ज के दस नाम दिए भी हुए हैं किन्तु हमारी तरफ से अभी तक एक मैम्बर भी नहीं बोला । ये लोग आधा-आधा घंटा बोल रहे हैं । मेरी आपसे गुजारिश है कि हमें भी टाईम अलॉट किया जाना चाहिए । अगर अनअटैच्ड मैम्बर भी आधा-आधा घंटा बोलेंगे तो फिर कैसे हमारे मैम्बर्ज को टाईम मिलेगा ?

चौधरी बंसी लाल : आप तीन दिन और हाउस का टाईम बढ़ा दो लेकिन आप हमारे मैम्बर्ज को बोलने दें । मुख्य मंत्री जी से भी इस बारे में बात हो चुकी है ।

चौधरी भजन लाल : उपाध्यक्ष महोदय, क्या सारे मैम्बर्ज बोलने जरूरी हैं ? आम तौर पर तो पार्टी के लीडर ही बोलते हैं लेकिन फिर भी हमने कहा कि सब लोग बोल लें और सब लोग बोलेंगे भी ।

चौधरी बंसी लाल : लेकिन हमारे मैम्बर्ज को तो अपनी बात कहने का मौका मिलना ही चाहिए ।

चौधरी भजन लाल : उपाध्यक्ष महोदय, आप पिछला विधान सभा का इतिहास उठाकर देख लें । क्या सभी पार्टीज के सभी लोग बोलते हैं ? कल भी काफी लोग बोल लिए हैं और आज भी राम बिलास शर्मा, कर्ण सिंह दलाल बोल लिए हैं । इनके तो केवल सात ही मैम्बर हैं और सात में से भी ये आधे बोल लिए हैं । बंसी लाल जी भी कल काफी देर तक बोल लिए हैं । अब क्या आप सारे बोलेंगे ? अगर इस तरह से देखा जाए तो हमारी तरफ से भी पहले तीस लोग बोलेंगे ।

चौधरी बंसी लाल : लेकिन कल तो मुख्य मंत्री जी ने कहा था कि सभी लोग बोलेंगे ।

चौधरी भजन लाल : मैंने यह कहा था कि सभी पार्टीज के लोग बोलेंगे । मैंने यह नहीं कहा कि सभी मैम्बर्ज बोलेंगे ।

प्रो० राम बिलास शर्मा : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है । सर, बेरी जी तो बहुत ही रैलेवेंट बोल रहे हैं ।

चौधरी भजन लाल : यह रैलेवेंट का सवाल नहीं है । क्या हमारे मैम्बर्ज गलत बोलेंगे ?

प्रो० राम बिलास शर्मा : उपाध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने जो कहना था वह 60 आदमियों की तरफ से कह दिया । इन्होंने तो जो लिखा हुआ डाकुमैंट है वही पढ़ना है । बिसला जी ने इतने गजब से उसको मूव कर दिया और लहरी सिंह जी ने उसको सैकिण्ड कर दिया तो फिर यहीं बात खत्म हो गयी । सर, यह 60 मैम्बर्ज का सवाल नहीं है यह तो रूलिंग और अपोजीशन का सवाल है । जो यहां पर आज 16 माननीय विधायक नहीं हैं तो वह हिस्सा भी तो अपोजीशन वालों को मिलना ही चाहिए ।

चौधरी भजन लाल : उपाध्यक्ष महोदय, ये उनका इस्तीफा दिलवाकर राजी हो रहे हैं और आजकल इनकी उनके साथ सगाई होने की बात भी चल रही है, रिश्ता होने की बात चल रही है । इधर बंसीलाल जी की तरफ से भी ये सगाई करने की सोच रहे हैं । पता नहीं ये कितनों से रिश्ते करने वाले हैं और इसलिए ही आजकल इनका दिमाग खराब हो रहा है ।

प्रो० राम बिलास शर्मा : उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी की ही सरकार रिश्ते जुड़वाने में लगी हुई है । पुलिस में भर्ती हुई तो इन्होंने उन लड़कों के पहले से हुए रिश्ते तुड़वा दिए, ऐक्साईज एंड टैक्सेशन डिपार्टमैंट की भर्ती रद्द हुई तो इन्होंने उनके भी रिश्ते तुड़वा दिए और पटवारियों की भर्ती रद्द हुई तो इन्होंने उन लड़कों के रिश्ते भी तुड़वा दिए । जब आजकल मुश्किल से हमारी बात बन सकी है तो ये उस रिश्ते को भी तुड़वाना चाहते हैं लेकिन हम यह रिश्ता तोड़ेंगे नहीं । हम हरियाणा के हित में जरूर जुड़ेंगे और सारे विपक्ष को इकट्ठा करेंगे ।

चौधरी भजन लाल : हम तो चाहते हैं कि यह रिश्ता होना ही चाहिए क्योंकि बी० जे० पी० में बहुत से भाई कंवारें जो हैं ।

प्रो० राम बिलास शर्मा : हम सारे विपक्ष को जरूर इकट्ठा करेंगे ।

श्री जगदीश नेहरा : उपाध्यक्ष महोदय, इनका पहले भी दो बार उनसे रिश्ता हुआ था जो कि टूट गया । उन्होंने बी० जे० पी० वालों को पीट-पीट कर निकाला था । इनको पहले उन्होंने 1977 में और फिर 1987 में निकाला है । फिर अब

ये उनसे तीसरी बार रिक्ता क्यों कर रहे हैं, क्या इनको लज्जा नहीं आती है ? (शोर)

चौधरी ओम प्रकाश बेरी : उपाध्यक्ष महोदय, बड़े अफसोस की बात है कि पार्लियामैन्ट्री अफेयर्ज मिनिस्टर को रूल्ज का भी पता नहीं है कि प्वायंट आफ आर्डर होता क्या है। मैंने कोई बात की होती और उसमें से कोई बात एराइज होती तो यह बात हो सकती थी। मुझे दुख है कि इनको रूल्ज का ही पता नहीं है। मैं सिंचाई के बारे में जिक्र कर रहा था कि दो महीने पहले हम हथनी कुण्ड बैराज देखकर आए हैं। वहां कोई काम नहीं हुआ है, एक ईंट भी नहीं लगी है, कोई मजदूर वहां काम नहीं कर रहा है। यह तो हरियाणा की जनता को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है। तीनों जगह कांग्रेस पार्टी की सरकार है। चौधरी भजन लाल जी की एस0 वाई0 एल0 बनाने की अगर इच्छा शक्ति होती तो आराम से 6-7 महीने में यह काम हो सकता था। भारत सरकार कर्नाटक सरकार पर दबाव डालकर तमिलनाडू को पानी भेज सकती है तो पंजाब पर दबाव डाल कर हरियाणा में एस0 वाई0 एल0 क्यों नहीं बनवाई जा सकती। इनकी इच्छा शक्ति उस वक्त सदन में पूरी तरह से साफ हो गई थी जब इन्होंने कहा था कि यह बड़ा पेचीदा मामला है, इस पर ज्यादा लम्बी बात नहीं होनी चाहिए। पहले तो ये सुप्रीम कोर्ट में गए। (घंटी) उपाध्यक्ष महोदय, सारा टाइम तो इन्होंने मेरा ले लिया है मुझे 5-7 मिनट का टाइम और दीजिए।

श्री उपाध्यक्ष : आपको दो मिनट का समय और दिया जाता है।

चौधरी ओम प्रकाश बेरी : उपाध्यक्ष महोदय, इराडी ट्रिब्यूनल का फैसला हो चुका है और यह बात कानूनी तौर से सही है कि ट्रिब्यूनल के फैसले के खिलाफ कोई अपील नहीं हो सकती। यह तो पोलिटिकल एडवांटेज लेने के लिए सुप्रीम कोर्ट में गए हैं। इनका जनता को नहरी पानी पहुंचाने से कोई सरोकार नहीं है। दक्षिणी हरियाणा के सात जिलों के पानी के बंटवारे में भेदभाव किया जा रहा है। तीन साल पहले मैंने इस सदन में रिपोर्ट भी पेश की थी। रिपोर्ट पेश करने के बाद भी सरकार ने हमारे जिलों को पानी देने की जरूरत नहीं समझी। तो हम इनसे इस किस्म के इंसाफ की उम्मीद कैसे कर सकते हैं ? मुझे खुशी होती यदि गवर्नर साहब अपने एड्रैस में जे0 एस0 एन0 की सीपेज को परमानैंट तौर पर खत्म करने की बात कहते। सीपेज की वजह से हरियाणा का हजारों एकड़ रकबा बर्बाद हो चुका है। पहले जब मैं 1982 से लेकर 1987 तक मैम्बर था तो मैंने बार बार सरकार का ध्यान दिलाया कि सीपेज की वजह से किसान बहुत परेशान हैं। इस सीपेज को चैक किया जाए लेकिन आज तक उसका जिक्र तक नहीं किया गया। उस वजह से 30-40 हजार एकड़ जमीन बर्बाद हो चुकी है। इसी प्रकार से पैरा 11 में राज्यपाल महोदय ने गांवों में शराब पर अंकुश लगाने की बात कही

[चौधरी ओम प्रकाश बेरी]

है । अंकुश लगाने से बात बनने वाली नहीं है क्योंकि 10–15 किलोमीटर के फासले पर छोटे छोटे कस्बे हैं। वहां शहरों से लोग शराब ला सकते हैं इसके अलावा जिस गांव में ठेका नहीं है, वहां ठेकेदारों ने अपने सब कंट्रेक्टर बनाकर शराब बेचने का काम किया हुआ है । इन शब्दों के साथ मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाषण का विरोध करते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं ।

प्रो० राम बिलास शर्मा : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आॅफ आर्डर है । मेरे माननीय साथी श्री कर्ण सिंह दलाल ने चर्चा की थी कि हमारे गृह मंत्री के गनमैन की हत्या हुई है । गृह मंत्री ने अपने स्पष्टीकरण में फरमाया था कि उसने आत्महत्या की है । यह बहुत सीरियस मैटर है । क्या गृह मंत्री जी को किसी पत्र के द्वारा ऐसी जानकारी मिली है या कोई और जांच हुई है जिससे पता चला हो कि उसकी हत्या कैसे हुई ? इस बारे में वे कृपया इस सदन को बता दें ।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण–

गृह राज्य मंत्री द्वारा

गृह राज्य मंत्री (श्री सुभाष बतरा) : उपाध्यक्ष महोदय, मेरी पर्सनल एक्स-प्लेनेशन है । पहली बात तो मैं यह बताना चाहता हूं कि वह मेरा गनमैन नहीं था बल्कि वह सिक्यौरिटी के गार्डज में से एक था । दूसरी बात यह है कि उसने सू-साइड किया है । उसका बाकायदा पोस्ट मार्टम हुआ है जिसकी रिपोर्ट आई है । वहां के एस० पी० ने बाकायदा प्रैस को स्टेटमैंट दी है । आप इसकी जांच करवा लें, किसी किस्म की कोई बात नहीं है । इसलिये ये जो मेरे ऊपर एलीगेशन लगा रहे हैं यह झूठा और बे-बुनियाद है । एक बात मैं और बताना चाहता हूं कि वह मेरे यहां नहीं रहा बल्कि वह तो छुट्टी पर था और उसकी मौत उसके मकान पर ही हुई है ।

श्री कर्ण सिंह दलाल : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आॅर्डर है । माननीय मन्त्री जी ने कहा कि वह गनमैन नहीं था बल्कि गश्त वाला एक सिपाही था । हम तो उसको भी सिपाही ही मानेंगे । मैं जानना चाहता हूं कि अगर उस ने आत्म हत्या की तो क्या उस ने जहर खाया या अपने आपको फांसी लगाई ?

श्री सुभाष बतरा : यह मौत उसके घर पर हुई है और वह बाकायदा पांच दिनों से छुट्टी पर था । उससे मेरा कोई लेना देना नहीं है । लोग पता नहीं रोज कितने सू-साइड करते हैं । इसलिए आप उनके घर पर जा कर पूछें । उस की बीवी है, उसका लड़का है, परिवार के और सदस्य हैं । यह कैसी बात करते हैं ?

आप इनका पिछला रिकार्ड देखें । इनको तो सारी बातें अपने जैसी ही नजर आती हैं ।

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल) : उपाध्यक्ष महोदय, यह हाउस में डिस्कस करने का मैटर नहीं है । या तो उसके घर वाला कोई शिकायत करता या कोई मुकदमा दर्ज करवाए या कोई किसी के बारे में शक की बात बताए तब तो उस पर सरकार कार्यवाही करेगी । अगर सरकार फिर भी उस पर कार्यवाही न करे तो इनका यहां उस प्वायंट को रेज करने का अधिकार है । क्योंकि यह कोई मुद्दा नहीं है वैसे ही कहीं से टांग पकड़ कर किसी मामले को उठा लें यह ठीक नहीं है । पहले ये लेह में जाएं कि क्या बात है ।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री मनी राम (ऐलनाबाद, अनुसूचित जाति) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं बिसला जी के प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं । आज की सरकार 1991 में बनी थी । इस सरकार ने बहुत ही शानदार तरीके से हरियाणा की तरक्की के लिए एक नारा दिया और वह नारा शान्ति और विकास का था । सरकार ने शान्ति के साथ प्रदेश में विकास करने का भी संकल्प लिया और चारों तरफ चहुंमुखी प्रगति की । चाहे नौजवानों की बात हो या महिलाओं की बात हो या बच्चों की बात हो और चाहे बुजुर्गों की बात हो, चहुंमुखी प्रगति इस प्रदेश में हुई । उससे पहले इस प्रदेश ने बहुत थपेड़े खाए । सब से पहली बात तो यह है कि जो 1981 और 1991 का अरसा था उस दौरान बहुत बड़े हादसे इस प्रदेश को झेलने पड़े थे । उपाध्यक्ष महोदय, आपको याद होगा यह जो देश में लोकतन्त्र है, जो इस देश के अन्दर प्रजातन्त्र है, प्रजा का राज है, यह राज कोई वैसे मुफ्त में नहीं मिला है, इसके लिए बड़ी कुर्बानियां कांग्रेस के बड़े-बड़े चोटी के नेताओं ने दी थीं । हिन्दुस्तान के अनेकों शहीदों ने फांसी का फंदा चूमा था । फिर एक ऐसा राज्य आया, लोक-राज आया । उसके अन्दर हिन्दुस्तान के हर भाई बहन को चाहे वह महल में सोता हो, चाहे सड़क पर सोता हो, चाहे राजा और रंक हो, सबको बराबर का हक मिला । गांव की पंचायत से लेकर लोकसभा तक अपने नुमायन्दें बनाने का हक सबको दिया गया । लेकिन 1981 से 1991 के वक्त में एक ऐसा दौर आया जब हरियाणा के अन्दर उस हक की छीना-झपटी हुई । हरियाणा के लोगों ने कुर्बानियां देकर उस हक को कायम रखा । कायम होने के बाद इस सरकार ने सबसे पहला काम इस प्रदेश को जो दिया वह दिया पूरी तरह से इस प्रदेश के अन्दर लोकतंत्र की बहाली का । जहां तक पंचायती राज को लागू करने की बात है आपको मालूम है कि नगर परिषद् के चुनाव आये तो सही तरीके से आजाद हरियाणा अस्तित्व में आया । पूरे तरीके से, प्रजातान्त्रिक तरीके से हरियाणा के सिस्टम को चलाया और बड़े ठीक

[श्री मनी राम]

तरीके से सारे प्रोग्राम इस प्रदेश में चलते रहे । चाहे महिलाओं के विकास करने की बात हो, चाहे पंचायतों को, नगर निगमों के अधिकार देने की बात हो और चाहे दूसरे नागरिकों को आगे लाने की बात है, वह सब हरियाणा में हुआ । जहां तक नौजवानों को रोजगार देने की बात है सरकार ने शानदार प्रोग्राम नौजवानों को रोजगार देने के लिए बनाया है और यह एक अच्छा तरीका है औद्योगिक विकास का । हरियाणा में औद्योगिक विकास का प्रोग्राम जो चला है इससे एक इन्डिस्ट्रीयल माहौल बना है । यह नौजवानों के लिए बड़ा वरदान साबित हुआ है । आप अन्दाजा लगायें किस तरह से आज की सरकार ने, भजन लाल की सरकार ने पूरे तरीके से ऐसा सिस्टम रख दिया कि जो भी उद्योग लगे हैं उनमें उद्योगपतियों को हरियाणा के बच्चों को लगाना पड़ेगा । चाहे पांच बच्चे नौकरी पर लगें या पांच हजार लेकिन हरियाणा के बच्चों को ही नौकरी पर लगाना पड़ेगा । तभी उसको लाईसैंस मिलेगा तथा दूसरी सुविधाएं मिलेंगी । हरियाणा ही एक पहला प्रदेश है जिसने इस तरह की एक काम की बात यहां के नौजवानों के लिए की है । आपको याद होगा कि पंजाब हमारे पड़ोस का प्रदेश है और वहां दस साल तक उग्रवाद का दौर रहा, उसकी आंच हरियाणा को भी झेलनी पड़ी । एक पड़ोसी प्रदेश में जो भी अच्छी बुरी बात होती है उसका असर पड़ोस के प्रदेश पर भी पड़ता है । उपाध्यक्ष महोदय, आज आप अन्दाजा लगायें कि हिन्दुस्तान के अन्दर किसी प्रदेश के मुख्य मन्त्री को, देश के या प्रदेश के किसी नेता को अगर किसी दुश्मन, उग्रवादी या आतंकवादी संगठन से जान का खतरा है तो वह ज्यादा हमारे मुख्य मन्त्री जी को है । मुख्य मन्त्री जी ने कभी किसी का कोई बुरा नहीं किया, कोई किसी की भैंस नहीं खोल रखी । इन्होंने प्रदेश में शान्ति लाने के लिए और गरीब किसानों को हक दिलाने के लिए जो कदम उठाये हैं तो यह इस वजह से विरोध है । भजन लाल ने किसी का विरोध नहीं किया फिर भी वे लोग इनके जानलेवा दुश्मन बने । पूरे तरीके से हरियाणा के मुख्य मन्त्री जी को इस बात का खतरा रहा । लेकिन उस वक्त भगवान की कृपा रही या गरीब लोगों का आशीर्वाद रहा कि यह प्रदेश ठीक चलता रहा । मैं यह अर्ज करना चाहूंगा कि सारे हरियाणा के अन्दर, सारे महकमों में चारों तरफ से चाहे किसान को भाव देने की बात हो, कोई भी यह नहीं कह सकता कि आज तक किसानों के भाव कम रहे हों । किसान की जिन्स हो, चाहे चना हो, चाहे सरसों हो, गेहूं और गन्ना हो पूरे तरीके से जितनी किसान की मदद आज की सरकार ने की है उतनी किसी सरकार ने नहीं की । इसके अलावा बीज पर सबसिडी तथा और भी मदद खेतीहर मजदूर और खेतीहर किसान की सरकार ने की है । उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश में पिछले दिनों बाढ़ आई, जो एक आम तरह से बारिश का पानी आता है, वह ऐसा पानी नहीं था । उस बाढ ने तो हरियाणा का पिछले 100 साल का रिकार्ड तोड़ दिया । बहुत ही भंयकर बाढ़ थी । वह जो बाढ़ आई वह कोई मामूली बाढ़ नहीं थी । तीन दिन तक लगातार बारिश बरसने से आधा हरियाणा प्रदेश

बाढ़ की चपेट में आ गया । यह बात ठीक है कि वह कोई मैन मेड बाढ़ नहीं थी । वह कुदरत का प्रकोप था । बाढ़ के दौरान हरियाणा सरकार के आदरणीय मुख्य मंत्री जी कभी ट्रैक्टरों पर बैठ कर सर्वे कर रहे थे, कभी पैदल चल कर सर्वे कर रहे थे और कभी हवाई जहाज से सर्वे कर रहे थे । कभी रात के 12:00 बजे मीटिंग कर रहे थे, कभी इरीगेशन डिपार्टमैंट और दूसरे विभागों के ऑफिसर्ज के साथ मीटिंग कर रहे थे, कभी बरवाला को ट्रैक्टर में बैठ कर देख रहे थे और कभी किश्ती में बैठ कर रोहतक शहर को देख रहे थे, वे लोगों के दुख दर्द में शामिल होने के लिए हर जगह गए । उसके बावजूद भी ये विपक्ष के लोग कहते हैं कि वह फ्लड मैन मेड था । आप यह क्यों नहीं कहते कि हरियाणा प्रदेश के अन्दर इससे पहले 100 सालों में भी ऐसी बाढ़ नहीं आई । बाढ़ के दौरान सरकार की तरफ से लोगों की फौरन मदद की गई । बाढ़ का पानी एकदम आ जाए तो उसको उसी वक्त निकालने का कोई रास्ता नहीं होता । पानी तो नहरों के जरिए या नालों के जरिए ही जाएगा । कोई ऐसी जगह तो है नहीं जहां पर पानी को एकदम फैंका जा सके या उसको पम्प आउट किया जा सके । ऐसा प्रोग्राम तो दुनिया में कहीं भी नहीं है कि पानी को एकदम कहीं पर डाल दिया जाए । बाढ़ के प्रकोप का मुकाबला करने के लिए हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने और सभी महकमों के आफिसर्ज ने बड़ी बहादुरी के साथ लोगों को मदद पहुंचाई । आप अंदाजा लगाएं कि जो मुआवजे की राशि आई वह राशि रेहड़ी वालों को, चाय के खोखे वालों को, छोटे छोटे दुकानदारों को, किसानों और मजदूरों को मुआवजे के रूप में दी गई । उनको पांच हजार से बीस हजार रु० तक का मुआवजा दिया गया । इसी तरह से जिन खेतों में पानी खड़ा है उनका तीन हजार रुपए प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा दिया गया । आज तक किसी भी सरकार ने इतना मुआवजा नहीं दिया । यह हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री चौधरी भजन लाल जी की करामात है जिन्होंने गरीब किसानों की मदद की । यदि गरीब किसानों की मदद होती हो, यदि किसी जूता बनाने वाले गरीब की मदद होती हो, यदि किसी चाय बनाने वाले की मदद होती हो या किसी साइकिल का पंक्चर लगाने वाले की मदद होती हो तो भाई राम बिलास शर्मा और दूसरे विपक्ष के भाईयों को बड़ी तकलीफ होती है । उनकी मदद सरकार ने की है वह इसलिये की है क्योंकि मदद करना हमारा धर्म बनता है । आपको इस बारे में सरकार को शाबाशी देनी चाहिये लेकिन आप ऐसा नहीं करते ।

श्री किताब सिंह : डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है । माननीय सदस्य ने रेहड़ी वालों को मुआवजा देने के बारे में कहा है, छोटे दुकानदारों को मुआवजा देने के बारे में कहा है कि उनको 5-5 और 10-10 हजार रुपए मुआवजे के दिए गए और बड़े दुकानदारों को 20-20 हजार रुपए दिए गए । मैं कहता हूं कि गोहाना में जिनका नुक्सान हुआ उनको मुआवजा नहीं दिया गया ।

प्रो० राम बिलास शर्मा : डिप्टी स्पीकर साहब, मलिक साहब ठीक कह रहे हैं कि गोहाना में किसी को कोई मुआवजा नहीं दिया गया । किसी रेहड़ी वाले या दूसरे

[प्रो0 राम बिलास शर्मा]

गरीब लोगों को कोई मुआवजा गोहाना में नहीं दिया गया । ये मुआवजा बांट रहे हैं कांग्रेस के दफ्तर में । शमशेर सिंह सुरजेवाला के घर में इन्होंने रजाईयों का ढेर लगा दिया अगर उनमें आग लग गई तो बड़ी मुश्किल हो जाएगी ।

श्री मनी राम : डिप्टी स्पीकर साहब, मैं एक बात कहना चाहूंगा कि जो राजा होता है वह एक बेईमानी को छिपाने के लिये 100 बेईमानी करता है । जो राजा ईमानदार होगा वह सही काम करेगा । जो मुआवजे की राशि बांटी गई उसकी वैरीफिकेशन के लिये यहां चण्डीगढ़ से 5-5 सीनियर आई0ए0एस0 ऑफिसर्ज गए और उन्होंने उसकी पूरी वैरीफिकेशन की । यह कोई मामूली बात नहीं है यह एक ईमानदार राजा की निशानी है ।

प्रो0 राम बिलास शर्मा : डिप्टी स्पीकर साहब, इस महान सदन में कही गई एक एक बात का हरियाणा की जनता बड़ा नोटिस लेती है । चौधरी मनी राम जी केहरवाला ने कहा कि जूती गांठने वालों को और रेहड़ी लगाने वालों को मुआवजा दिया गया । यदि दिया गया है तो अच्छी बात है । किताब सिंह मलिक जो कि गोहाना हल्के से पहली बार नहीं आए बल्कि दूसरी बार चुन कर आए हैं वे कह रहे हैं कि वहां पर रेहड़ी लगाने वालों को कोई मुआवजा नहीं दिया गया । जबकि वे इन्हीं की पार्टी की सरकार को स्पोर्ट कर रहे हैं । जो वे कह रहे हैं तो उनकी बात को सच माना जाये या मनी राम जी की बात को । ये एक दूसरे को गल्त साबित कर रहे हैं । पानी के मामले में मैंने कहा कि फलां फलां गांव में और इतनी इतनी जमीन में पानी खड़ा हुआ है लेकिन अमीर चन्द मक्कड़ जी ने कहा कि साढ़े तीन लाख एकड़ में पानी नहीं खड़ा । मैं चाहता हूं कि हाउस का कोई सदस्य जब कोई बात कहता है तो उसका नोटिस लिया जाना चाहिये । ये कह रहे हैं कि मुआवजा दिया गया है और वे कह रहे हैं कि नहीं दिया गया । मुआवजा नहीं दिया गया क्योंकि मैंने भी शहजादपुर गांव के लोगों की 350 एप्लीकेशंज पर अपना डी0ओ0 लेटर लगाकर चीफ सैक्रेटरी साहब को भेजा है कि इनको मुआवजा नहीं मिला ।

श्री मनी राम : डिप्टी स्पीकर साहब, डबवाली कांड हुआ । यह कांड कुदरत की तरफ से हुआ और वहां पर स्कूल के 1200-1300 बच्चे और उनके अभिभावक इस दुर्घटना के शिकार हुए । यह घटना किसी शार्ट सर्किट की वजह से या किसी और कारण से हुई । जब यह घटना हुई तो मैं और चौधरी जगदीश नेहरा जी अपने अपने हल्के में थे । जब हमें पता चला तो हम डेढ़ घंटे के अन्दर अन्दर वहां पर पहुंच गए । यह सारी घटना वहां पर 2-4 मिनट में ही हो गयी । इस घटना के बाद सरकार की तरफ से और वहां की संस्थाओं की तरफ से शिकार हुए लोगों की तरफ विशेष ध्यान दिया गया । जिन सामाजिक संस्थाओं ने इस में सहयोग दिया उन लोगों का भी मैं धन्यवाद करता हूं । जब इस घटना का पता मुख्य मंत्री जी को चला तो ये भी फौरन

वहां पर पहुंच गए। जब वहां पर मुख्य मंत्री जी पहुंचे तो मुख्य मंत्री जी ने 400-500 लोगों के सामने यह पूछा कि बताओ किससे इसकी इन्कवायरी करवाएं। तो इनकी पार्टी के वर्कर्ज जो थे उन्होंने कहा कि जिससे आपको ठीक तसल्ली हो सकती हो इन्कवायरी करवा लो। वहां पर 400-500 लोगों के अलावा मैं भी था, नेहरा साहब भी थे और दूसरे जिले के सारे साथी वहां पर थे। उस वक्त तो उन्होंने कुछ नहीं कहा। बाद में पता नहीं क्या मैनुपलेशन हुआ कि दिल्ली से कुछ लोग आए। रात को वे दवाई आदि लेकर आए थे। जब उन्होंने कहा कि हम दिल्ली से दवाई आदि लेकर आए हैं तो इनके लोगों ने कहा कि यहां पर कोई जरूरत नहीं है क्योंकि मरीजों को लुधियाना, रोहतक और पी0जी0आई0 आदि जगहों पर भेज दिया गया है। हमने दिल्ली से आए हुए लोगों को कहा कि बताइए हम आपकी क्या सेवा कर सकते हैं तो वे कहने लगे कि हमारे ठहरने का प्रबंध करा दीजिए। हमने उनके ठहरने की व्यवस्था कर दी। दूसरे दिन सवेरे लोगों की लाशों को जलाने नहीं दिया गया और उनकी लाशों को यहां लाया गया था। डी0एस0पी0 ने जिनकी शिनाख्त नहीं हो सकी थी, उनकी लाश को वहीं रहने दिया जो मित्र लोग थे या उनके पैरेंटस थे या उनके अभिभावक थे, वे दूसरे शहरों में घायल लोगों को लेकर गए थे। दूसरी बात जो वहां उन्होंने कही, वह बिल्कुल पोलिटिकली मोटीवेटिड प्रोग्राम था। हालांकि वहां पर 400-500 लोग जल गए। उनके घर वालों की तरफ से कोई ऐसी बात नहीं थी। जो वहां मौके पर मौजूद थे, वे कह रहे थे कि किसी का दोष नहीं था, कुदरत का दोष था। इस प्रकार से उन्होंने पोलिटिकली मोटीवेटिड प्रोग्राम बनाया। उपाध्यक्ष महोदय, इसमें मुख्य मंत्री महोदय ने मदद की, सरकार ने मदद की, मृतकों के परिवार वालों को एक लाख रुपये की मदद की। जो वहां खत्म हो गए, जिनका देहांत हो गया था उनको बचाने की पूरी कोशिश की गई, इसके लिए मैं इनका धन्यवाद करता हूं। जो भी प्रोग्राम आज की सरकार या मुख्य मंत्री जी चला रहे हैं, वे बहुत ही अच्छे हैं। चाहे वह "अपनी बेटी, अपना धन हो," चाहे शिक्षा का मामला हो या पिछड़े वर्ग का हो जिनमें लोध, सैनी, मेओ आदि जातियों को बैकवर्ड क्लास में लिया गया है। यह एक अच्छा काम किया है। इस प्रकार से अब इनको नौकरियों में लाभ मिलेगा। नए अवसर मिलेंगे तथा अपना विकास करने के लिये इस क्लास को जो सुविधाएं दी गई हैं इसके लिये भी सरकार बधाई की पात्र है। स्वास्थ्य सेवाओं का जहां तक संबंध है इनमें भी काफी सुधार हुआ है। आज देहात के अन्दर जो प्राईमरी हैल्थ सैंटर हैं, सी0एच0सी0 हैं और डिस्पैंसिरियां हैं उनमें हर तरह से देहात के लोगों को मदद मिल रही है। इस बात के लिए भी मैं सरकार का धन्यवाद करता हूं। सरकार ने पिछले 5 सालों के अर्से में परिवहन सेवाओं में काफी नौजवानों को रोजगार दिया गया है। इसी तरह से कोआप्रेटिव सोसाइटीज बनाई गई हैं, उनमें जो मैट्रिक पास लड़के हैं, उनकी 5-7 बच्चों की कोई सोसाइटी बना कर उनको रोजगार देकर अच्छा काम किया है। आम जनता को इस बात का काफी फायदा हुआ है और परिवहन के मामले में बहुत बड़ी उपलब्धि हुई है। गवर्नर साहब का जो अभिभाषण था, इस पर राजेन्द्र बिसला जी ने जो उनके सम्मान में धन्यवाद

[श्री मनी राम]

प्रस्ताव रखा इसके लिए मैं अपनी तरफ से उनका धन्यवाद करता हूं और मेरा सारे सदन से अनुरोध है कि इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पास करें। धन्यवाद।

प्रो० छतर सिंह चौहान (मुण्डाल खुर्द) : उपाध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने जो हरियाणा की संध्याकालीन सरकार द्वारा तैयार किए गए अभिभाषण का पठन किया है, उस पर मैं अपने विचार प्रकट करने और उसका विरोध करने के लिए खड़ा हुआ हूं। सबसे पहले उपाध्यक्ष महोदय, भाषण में कहा गया है कि यह हरियाणा की आज की सरकार विधिवत रूप से काम कर रही है। मुझे बड़ी खुशी होती अगर हरियाणा में सरकार रूल्ज आफ ला के अनुसार कार्य करती लेकिन पिछले पौने 5 सालों का इतिहास इस बात का साक्षी है कि जब से चौधरी भजन लाल मुख्य मंत्री बने हैं तब से रूल आफ ला वाली कोई बात नहीं दिखी। जब वे आए थे तो उन्होंने अपनी छाती ठोक कर इस सदन में एक बात कही थी कि इस तरह का प्रशासन दूंगा कि हरियाणा की जनता यह कहेगी कि हर नर व नारी सम्मान से अपना जीवन बिता रहा है। हमें खुशी हुई थी जुलाई, 1991 में लेकिन इस 5 साल के समय में चौधरी भजन लाल की सरकार ने रूल्ज आफ ला की जगह पर रूल्ज आफ जंगल बना दिया है। आज ऐसा महसूस होता है कि हरियाणा में कोई राज नाम की चीज नहीं है, कानून नाम की चीज नहीं है। न कोई राज है न कोई सरकार है। आज इस हरियाणा में अगर किसी चीज की बहुतायत है तो वह भ्रष्टाचार की है। आज का शासन और प्रशासन आकंठ रूप में भ्रष्टाचार में डूबा हुआ है। शर्म से गर्दन झुक जाती है जब कोई मिलता है। हाई कोर्ट ने 1700 सिपाहियों की सेवाएं रद्द कर दी हैं। आज पटवारियों की सेवाएं रद्द कर दीं, आज इंस्पैक्टरों की सेवाएं रद्द कर दीं। सबसे बड़ी शर्म की बात तो यह है कि किसी प्रदेश के पब्लिक सर्विस कमीशन में सदस्यों द्वारा मुख्य मंत्री के संकेत पर इस्तीफा देना और उन्हें फिर किसी लाभ के पद पर आसीन करने का कार्य मुख्य मंत्री और सरकार की नीयत की बात साबित करता है। मुख्य मंत्री महोदय बताएं कि वह जो आदमी पब्लिक सर्विस कमीशन का चेयरमैन था या जो मैंबर था अगर उनकी कार्यविधि ठीक थी तो क्यों उनको मजबूर किया गया कि वे अस्तीफा दें? अगर वे यहां ईमानदारी से काम नहीं कर सकते थे तो क्या उनको एजूकेशन बोर्ड का चेयरमैन लगाकर उसको भी भ्रष्टाचार बोर्ड बनाने के लिए वहां पर भेजा गया है। इसी प्रकार से 2 और सदस्य थे जिनमें से एक को तो शूगरफैड का चेयरमैन बना दिया और दूसरे को कहीं और कुछ बना दिया है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा तथा प्रार्थना करूंगा कि वे अपने जवाब में यह जरूर बताएं कि वे कौन से हालात थे जिनकी वजह से मजबूर हो कर उन चार व्यक्तियों को अस्तीफे देने पड़े थे और फिर कौन सी ऐसी परिस्थितियां बनीं कि उनको लाभ का पद दे कर उनका मुंह बन्द करना पड़ा ताकि वे इनकी कारगुजारियों को हरियाणा की जनता के सामने न रख सकें। उपाध्यक्ष महोदय, इस प्रकार से

Vidhan Sabha Secretariat LIBRARY Chandigarh

हरियाणा में लोगों ने मन बना लिया है, वे जानते हैं कि जब भी मुख्य मन्त्री जी कोई बात कहते हैं चाहे वे सदन में कहें या शहरी अथवा ग्रामीण सभा में कहें, लोग मानते हैं कि हरियाणा का मुख्य मन्त्री does not mean what he says· जो भी बात आज तक उन्होंने कही है वह पूर्ण नहीं की है । उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री महोदय का ध्यान दिलाना चाहता हूं । उनको याद होगा, मेरे हल्के में मुख्य मन्त्री जी गए थे, इस बारे में भी मैं बताऊंगा । (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, जुलाई, 1991 यानि जब से यह सरकार बनी है तब से ले कर आज तक का इतिहास उठा कर देख लें, किसी जिले या गांव में जाएं, तो आज की सरकार के मस्तिष्क पर कलंक का टीका और काण्डों का टीका मिलेगा । चाहे बराही का काण्ड हो, चाहे नारनौंद का काण्ड हो (विघ्न) वहां पर किसान बेचारे अपनी बात कहने के लिए इकट्ठे हुए और इस सरकार ने उन पर दनादन गोलियां चलाई । कादमा का काण्ड हुआ । 23 अगस्त को बेचारे निर्दोष किसान अपनी बात कहने के लिए इकट्ठे हुए थे । वहां चौधरी भजन लाल की सरकार ने दनादन गोलियां चला कर 6 व्यक्तियों को हमेशा के लिए सुला दिया । इसी प्रकार से ये कहते रहे हैं कि नारी चाहे सोने की गठरी ले जाए, उसको कोई खतरा नहीं होगा । मुख्य मन्त्री जी अपने कामों पर थोड़ा दृष्टिपात करें । बहन सुशीला का काण्ड हुआ, जिसके बारे सीधी उंगली आपके परिवार की तरफ उठती है । आपके निज़ी लोगों पर उंगली उठती है । उपाध्यक्ष महोदय, अगर इनमें हिम्मत है तो आज ये कहें कि इस केस में मेरा और मेरे किसी भी व्यक्ति का हाथ नहीं है । इसी प्रकार द्रोपदी काण्ड हुआ । (विघ्न)

चौधरी भजन लाल : उपाध्यक्ष महोदय, मैं औन ओथ यह बात कहता हूं । मैं पहले भी कितनी बार कह चुका हूं, या तो ये कान बन्द कर लेते हैं या इनका ध्यान सुनने में नहीं रहता । फिर भी मैं इस बात को रिवर्ट करता हूं कि इस मामले में मेरे या मेरे किसी आदमी का हाथ होने का कोई सवाल ही नहीं है । ऐसी बात में हमारा हाथ होने की बात तो दूर हम तो सपने में भी इस प्रकार की बात नहीं सोच सकते ।

प्रो0 छतर सिंह चौहान : यह तो सी0 बी0 आई0 बताएगी ऐसे ही कहने से कोई बात

16.00 बजे | नहीं बनती है । आपसे ऊपर भी एक ताकत बैठी है और वह सब कुछ देख रही है । इस सरकार ने इतना मटमैला दाग छोड़ दिया है जिसको कभी भी कोई धो नहीं सकता है । अब ये कहते हैं कि हम विधिवत राज करते हैं, रूल आफ ला के तहत सरकार चला रहे हैं । जब लोकसभा का चुनाव हुआ था तो उस वक्त कितनी धांधली हुई थी । भिवानी के जुई गांव में एक भाई-बहन को मार दिया गया था । उनके हत्यारों पर मुकदमा चलाया गया था । कोर्ट ने तीन आदमियों को छोड़ दिया था और तीन आदमियों को आजीवन कारावास की सजा दी थी । उपाध्यक्ष महोदय, कितनी शर्म की बात है, उन आदमियों को 1994 में पैरोल पर छोड़ा गया उसके बाद फिर उनकी पैरोल की तिथि बढ़ा दी गई । 9 अप्रैल को उनको

[प्रो0 छत्तर सिंह चौहान]

वापिस जाना था लेकिन वे आज तक वापिस नहीं गए । उसके तीन महीने तक उनके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई । उनके बारे में 12 जुलाई को इत्तलाह दी गई लेकिन जेल सुप्रिन्टेंडेंट ने कोई कार्यवाही नहीं की । उसके तीन महीने बाद तो एफ0 आई0 आर0 दर्ज की गई । 12 जुलाई से दिसम्बर तक उनमें से किसी को भी नहीं पकड़ा गया । किसी आदमी ने देखा कि हरियाणा में तो जंगल राज चल रहा है तो उसने पब्लिक इंट्रैस्ट में हाई कोर्ट में केस दाखिल कर दिया । कोर्ट ने आर्डर दिए कि इस मामले में एस0 पी0 को खुद हाजिर होना पड़ेगा । इन चीजों के बाद भी मुख्य मंत्री जी कहें कि मेरे राज में रूल आफ ला है तो यह ये ही जानें । इसी प्रकार सिपाहियों की भर्ती के बारे में काफी जिक्र किया गया । लेकिन मैं एक बात कहता हूं कि डी0 आई0 जी0 श्री वी0 एन0 राय ने डी0 ओ0 लिखा था कि डी0 जी0 पी0 ने एक सिपाही की भर्ती के लिए 70 हजार रुपए लिए हैं । अगर 17 सौ का हिसाब लगाएं तो यह 11 करोड़ 90 लाख रुपया होता है । मुख्यमंत्री जी के अपने बेटे चन्द्रमोहन जो इस सदन के सदस्य भी हैं, ने एक अखबार में मंजूर किया था कि अफसरों ने बहुत धांधली की है । पिछले सत्र के दौरान मुख्य मंत्री जी ने उनके घर में भर्ती के बारे में जवाब देते हुए कहा था कि अगर कोई आ गया होगा तो उसका नाम ले लिया होगा । ऐसा तो मुख्य मंत्री जी ने कहा था । यह बड़ी ही शर्म की बात है । मुख्य मंत्री जी आपको यह सब रोकना चाहिए, अगर ऐसा ही करेंगे तो इतिहास आपको कभी माफ नहीं करेगा । उपाध्यक्ष महोदय, इस सरकार के आने के बाद आज तक 14 हजार पुलिस कर्मियों की भर्ती की गई है और 70 हजार रुपये एक आदमी के हिसाब से लगाया जाए तो यह 105 करोड़ रुपए बनता है जोकि इन्होंने पुलिस की भर्ती करने में खाया है । पुलिस भर्ती में 105 करोड़ रुपये का इल्जाम इस सरकार पर लगा है । इसी तरह से ऐक्साइज एंड टैक्सेशन डिपार्टमैंट में है । इसी तरह से नाजायज ढंग से तीन व्यक्तियों को एच0 सी0 एस0 प्रमोट कर दिया गया, मगर एक एक व्यक्ति से दस-दस, पन्द्रह-पन्द्रह लाख रुपय लिए गए हैं ।

चौधरी भजन लाल : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है । मैं जानना चाहता हूं कि माननीय सदस्य किस किस किस्म के इल्जाम लगा रहे हैं, यह हमारी तो समझ में नहीं आता । कभी ये कहते हैं कि 70-70 हजार रुपये ले लिए कभी ये कहते हैं कि पांच-पांच लाख रुपये भर्ती में लिए हैं । इनकी यह बात गलत है कि ये बगैर किसी सबूत के बगैर किसी आधार के इस तरह की बेबुनियाद बातें करें । जो इन्होंने 70 हजार या पांच लाख रुपये के इल्जाम लगाए हैं तो या तो ये इनको साबित कर दें वरना ये बातें हाउस की कार्यवाही से निकलवायी जानी चाहिएं ।

श्री उपाध्यक्ष : चौहान साहब, अब आप बताएं कि आप इन ऐलीगेशन को कैसे साबित करेंगे ?

प्रो० छतर सिंह चौहान : उपाध्यक्ष महोदय, मैं मुख्य मंत्री जी का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि इनके अपने ही लड़के ने अखबार में कहा है कि पुलिस की भर्ती में ऑफिसरों ने गड़बड़ी की है तो इसका क्या मतलब है ?

चौधरी भजन लाल : यह मैंने भी अखबार में पढ़ा है। अखबार वाले रिपोर्टर ने वैसे ही यह छाप दिया होगा।

प्रो० छतर सिंह चौहान : मेरे पास यह नवभारत टाईम्ज 25 फरवरी, 1996 का अखबार है।

चौधरी भजन लाल : मैं आपको इस बारे में कल भी बताऊंगा और आज भी बता देता हूं। वही नवभारत टाईम्ज मेरे पास भी है। आप मेरी बात तो सुनिए। कल जो बंसीलाल जी ने कहा था कि चालीस हजार रुपये भर्ती में लिए गए हैं अब मैं उसके बारे में आपको बताता हूं। दिनांक 27-2-96 का नवभारत टाईम्ज अखबार है, इसमें एक शीर्षक है कि—"अपार दर्द और गुस्सा छिपा है उनके दिलों में"। इसमें 1700 पुलिस कर्मियों की भर्ती के बारे में लिखा गया है। इसमें राकेश कुमार, सतबीर, राजकुमार, संजय, विनोद और सुनील के नामों का उल्लेख किया गया है। यह खबर रोहतक से निकली है। इन नामों के व्यक्तियों को 1995 में भर्ती किया गया था लेकिन जब उनसे और उनके परिवार वालों से पता किया गया कि क्या आपने पैसे दिए हैं तो सभी ने कहा कि भर्ती के लिए उन्होंने कभी कोई पैसा किसी को नहीं दिया है और न ही किसी अखबार वाले को उन्होंने ऐसा कोई बयान दिया है। यह खबर प्रैस रिपोर्टर ने अपने आप ही मन गढ़त कहानी बनाकर लिखी है और इस खबर में कोई भी सच्चाई नहीं है ! उपाध्यक्ष महोदय, जब इस अखबार वाले से पूछा गया कि क्या उसने ईमानदारी के साथ यह खबर छापी है तो उसने कहा कि मैं वहां पर नहीं गया और मैंने तो यह वैसे ही सुनी सुनाई बात लिख दी है। क्योंकि बंसीलाल जी ने रोहतक में बोलते हुए इस बारे में कहा था और हमने वही बात छाप दी है। **(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)**

प्रो० छतर सिंह चौहान : अध्यक्ष महोदय, ये चन्द्रमोहन द्वारा कही गयी बात पर भी आएं यह मेरे पास 26 नवम्बर, 1995 का अखबार है।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं बंसी लाल द्वारा कही गयी कल की बात बता रहा हूं कि पहले तो ये ऐसी ऐसी बातें छपवा देते हैं और फिर उन्हीं को यहां हाउस में लहराते हैं। इस बात का कोई मतलब ही नहीं है और न ही इसका कोई हाथ पांव है।

प्रो० छतर सिंह चौहान : सर, ये चन्द्रमोहन द्वारा कहीं गयी बातों का भी जवाब दे दें।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण--

श्री चन्द्र मोहन द्वारा

श्री चन्द्र मोहन : सर, मेरी पर्सनल ऐक्सप्लेनेशन है। मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहूंगा कि जो दलाल साहब और प्रोफेसर साहब ने कहा है वह बिल्कुल गलत बात है और मैंने ऐसा कभी भी नहीं कहा है। जो ये कह रहे हैं इसके बारे में आप चाहें तो हाउस की भी एक कमेटी बनाकर इसकी इंक्वायरी करवा सकते हैं। अगर मैंने यह नहीं कहा हो तो इनके खिलाफ ऐक्शन होना चाहिये, और यदि मैंने कहा हो तो मेरे खिलाफ ऐक्शन होना चाहिये। इनको इसलिये मुझसे जलन हो रही है क्योंकि मैं जनता की सेवा कर रहा हूं। मैंने ऐसा कुछ भी नहीं कहा है।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

प्रो० छतर सिंह चौहान : अध्यक्ष महोदय, मैं यह बात स्पष्ट करना चाहता हूं। मेरे पास 26 नवम्बर का अखबार है और मैं आपको चन्द्रमोहन के द्वारा कही हुई बात के बारे में बता रहा हूं।

श्री सुभाष बतरा : स्पीकर सर, ये हर किसी पर झूठे इल्जाम लगा रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : बतरा साहब, आप बैठिए।

प्रो० छतर सिंह चौहान : अध्यक्ष महोदय, मैंने एक बात कही थी कि 1700 सिपाहियों की भर्ती में हरियाणा में गड़बड़ हुई है। उस गड़बड़ की स्वीकृति में माननीय सदस्य चन्द्रमोहन का मैंने नाम लिया है। यह 26 तारीख का अखबार है। (घंटी) उन्होंने कहा है कि मैं स्वीकार करता हूं कि गड़बड़ी हुई है। (शोर एवं व्यवधान) अगर यह झूठ है तो आप उस अखबार वाले पर मुकद्दमा चलाइए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : चौहान साहब, आपको और कुछ बोलना है तो बोलिए। (शोर एवं व्यवधान)

प्रो० छतर सिंह चौहान : स्पीकर सर, मैंने जो कुछ कहा है अपनी तरफ से नहीं कहा है। यह नवभारत अखबार में छपा है कि चन्द्रमोहन ने स्वीकार किया है।

(शोर एवं व्यवधान) मैं प्रदेश में कानून व्यवस्था के ऊपर बोल रहा था। मैं निवेदन कर रहा था कि आज हरियाणा की जनता इस बात को मान चुकी है कि इस प्रदेश में रूल आफ ला नाम की कोई चीज नहीं है, जंगल राज है, सरकार भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी हुई है। आज से दो साल पहले मैंने चुनौती दी थी कि मुख्यमंत्री जी आप अपना भेष बदलकर कालका से लेकर नारनौल तक जाएं। सारे हरियाणा की जनता यह कहती है कि मुख्य मंत्री जी नारा देते हैं कि भ्रष्टाचार शुरु तुम चेले मैं गुरु। इनका प्रशासन यही करने में लगा है। यहां सिपाही बिकता है, एस0पी0 बिकता है और थाने नीलाम होते हैं.....(विघ्न)

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, फिर ये वैसी बात करते हैं कि एस0पी0 पैसा लेता है, थाने नीलाम होते हैं। इस किस्म के आरोप लगाना मुनासिब बात नहीं है। आप अध्यक्ष महोदय, मेहरबानी करके इसे हाउस की कार्यवाही से निकलवाइए।

प्रो0 छतर सिंह चौहान : अध्यक्ष महोदय, अब मैं दूसरे प्वाइंट पर अपने विचार रखना चाहता हूं। बाढ़ के बारे में बात आई। भिवानी जिले पर बाढ़ की सबसे ज्यादा मार पड़ी। आज सरकार और उसके विधायक छाती ठोक कर यह बात कहते हैं कि हमने मदद की। जिस वक्त पानी आया हुआ था तो पटवारी से लेकर डी0सी0 तक कोई गांव में नहीं दिखा। न दवाइयां थीं न राहत थी, अगर कोई राहत कार्य था तो वह सारा कागजों में था। मैं बताना चाहता हूं कि मुख्य मंत्री जी भिवानी गए थे और उन्होंने कहा कि मैंने 34 लाख 51 हजार रुपये की भोजन सामग्री बंटवा दी है, 19 लाख रुपये के कपड़े बंटवा दिए हैं। मैं आज भी दावे से कहता हूं कि किसी ऐजैन्सी से जांच कराएं अगर भोजन सामग्री नाम की कोई चीज गई हो। हां, कुछ पैकेट्स जरुर एक दिन गए थे जिसमें 5-7 दिन की फंफूद लगी हुई पूरी और थोड़ी सी सब्जी थी। अध्यक्ष महोदय, भोजन सामग्री बांटने में भारी गड़बड़ हुई है। मैं आपको उदाहरण देना चाहता हूं। एक जो राहत कार्य का मुआवजा बंटा उस को सरकार के मन्त्रियों ने और सरकार के विधायकों ने अपनी एक निजी सम्पति बना लिया। यह बात मैं नहीं कहता बल्कि मेरे पास एक अखबार है उसमें लिखा है कि सफीदों के विधायक जो आज मन्त्री भी हैं उन्होंने एक रवैया अपनाया था। वे अपने आदमियों को चिट देते थे। किसी चिट पर विशेष लिख देते थे और किसी पर अति विशेष लिख देते थे। वहां के एस0डी0एम0 को आखिर यह सोचना पड़ा कि विशेष और अति विशेष में क्या अन्तर है। अगर ये इस बात से इन्कार करते हैं तो मेरे पास यह 26 तारीख का दैनिक ट्रिब्यून है, मैं इसको पढ़ कर सुना देता हूं। इसमें लिखा है कि मुआवजे की सिफारिश करने में स्थानीय विधायक एवं राज्य मंत्री बचन सिंह आर्य ने अपने समर्थकों को विशेष और अति विशेष दो वर्गों में बांटा। जब सभी को अति विशेष की संज्ञा देने लगे तो एस0डी0एम0 ने अपने हाथ उठा लिए।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण—

आवास राज्य मंत्री द्वारा

आवास राज्य मन्त्री (श्री बचन सिंह आर्य) : सर, मैं पर्सनल एक्सप्लेनेशन देना चाहता हूं । माननीय सदस्य ने मेरे हल्के का जिक्र किया और मेरी चिट के बारे में जिक्र किया । मैं आपके द्वारा मुख्य मंत्री और इस सरकार को धन्यवाद देता हूं कि सफीदों के हल्के में सरकार ने 16 करोड़ रुपया बाढ़ राहत के लिये भेजा । उसके लिये इलाके के लोग इतने खुश हैं कि जिसका कोई अन्त नहीं । इनकी पार्टी के लोग वहां गए थे । जब फ्लड आया तो उस समय जो राहत कार्य हो रहे थे उस समय ये लोग अपनी पर्चियां बना कर ले आए थे । वह मेरे पास रखी हुई हैं । ये अपनी विकास पार्टी की चिट लगाते थे । इन्होंने रोटियों पर भी चिटें लगाई ।

श्री अध्यक्ष : चौहान साहब, अगर इन्होंने इस तरह की चिट दी है तो वे लोग तो उसे पढ़ेंगे ही जिनको दी है । वे देखेंगे कि एक चिट पर यह लिखा है और दूसरी पर यह लिखा है । अगर ऐसा है तो वह तो वैसे ही इनके खिलाफ बात हो गई ।

श्री बचन सिंह आर्य : मैंने सारे हल्के में कोई भी इस तरह की चिट नहीं दी । आप अखबार की ऐसे बात कह रहे हैं जैसे सारी ही बातें इसमें सच्च लिखी हों । मैंने अपने हल्के के 65 गांवों में राहत के मामले में पार्टी बाजी की कोई बात नहीं की । हमने सब को बराबर समझा । ये देख लें कि इनको आने वाले चुनावों में उस हल्के से अपनी अमानत जबत करवानी पड़ेगी ।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

प्रो० छत्तर सिंह चौहान : माननीय राज्यपाल महोदय ने पैरा 7 में कृषि के बारे बताया है । हमारा हरियाणा एक कृषि प्रधान प्रदेश है । इस बार जो बाढ़ आई उसने किसानों की कमर तोड़ दी । उसके बाद बाढ़ का मुआवजा बांटने में जो पक्षपात हुआ वह निन्दनीय है । अगर बाढ़ आई थी तो वह परमात्मा की मार थी । मैं तो यह कहता हूं कि प्रकृति की मार से ज्यादा सरकार के मन्त्रियों ने ज्यादा मार मारी । मेरे हल्के में कोई बाढ़ नहीं थी । स्पीकर साहब, चार सितम्बर को बारिश बन्द हो चुकी थी । यहां की स्वास्थ्य मन्त्री बहन करतार देवी जो कलानौर से हैं, इन्होंने सात तारीख को रेलवे पुल कटवा कर हमारे इलाके को डुबो दिया । चार सितम्बर के बाद बारिश की एक बूंद भी नहीं पड़ी ? फिर श्री आनन्द सिंह डांगी ने अपना घर, अपना गांव बचाने के लिये मौखरा गांव को डुबो दिया । बत्तरा साहब ने अपना घर, अपनी कोठी बचाने के लिए रोहतक शहर को डुबो दिया । अध्यक्ष महोदय, अगर मन्त्रियों का ऐसा आचरण

है तो इस सदन के व्यक्तियों से क्या अपेक्षा करें। मेरा आपसे निवेदन है कि इस बात की हाई कोर्ट के जज से जांच हो। (विघ्न)

श्री सुभाष बतरा : स्पीकर साहब, मैं एक वैयक्तिक स्पष्टीकरण देना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष : आप पहले भी वैयक्तिक स्पष्टीकरण दे चुके हैं।

श्री सुभाष बतरा : सर, मैं इनकी बात का जवाब देना चाहता हूं।

प्रो० छत्तर सिंह चौहान : अध्यक्ष महोदय, इसकी जांच किसी हाई कोर्ट के जज से कराइये तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जायेगा। वे आदमी आज मुखौटा पहनकर बात बनाते हैं जिन्होंने हरियाणा प्रदेश को डुबोने में और इसके विनाश के लिए एक अहम भूमिका निभाई।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण—

गृह राज्य मंत्री द्वारा

श्री सुभाष बतरा : सर, मैं पर्सनल एक्सप्लेनेशन देना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष : चौहान साहब इन्हें कहने दो, इनका निजी स्पष्टीकरण है।

श्री सुभाष बतरा : स्पीकर साहब, मैं कहना चाहता हूं कि क्या ऐसा ही चलता रहेगा ? क्या इनको कोई लाईसैंस दे रखा है कि सुबह से लेकर अब तक सारी निराधार बातें कहते रहें। जो सारी बातें इन्होंने कही हैं जैसे मेरे सिक्योरिटी गार्ड वाली बात कही। मैं यह कहना चाहता हूं कि ये सब बातें निराधार, झूठी और बे बुनियाद हैं।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

स्वास्थ्य मंत्री (बहन करतार देवी) : अध्यक्ष महोदय, यह बात नई नहीं है पिछले सत्र में भी इन्होंने कहा था कि हमारी नहर काट दी। अध्यक्ष महोदय, जिस रेलवे लाइन की ये चर्चा कर रहे हैं, वह भिवानी से आती है। जो हाउस में मे रोज यह कहा करते थे कि आप अपनी बात को पुट करिए तो मैं कहना चाहती हूं कि यह रेलवे लाईन भिवानी से खरक और खरक से कलानौर होकर जाती है। अगर इस लाईन को कटवा देते तो पहले मेरा ही हल्का डूबता, इनका इलाका तो बाद में आता है। जो ये कह रहे हैं, इन्हें बड़ी जिम्मेदारी के साथ बोलना चाहिए। (विघ्न)

प्रो० छतर सिंह चौहान : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह चुनौती देता हूं कि आप किसी हाईकोर्ट के जज से इसकी जांच करा लें कि सात सितम्बर की शाम के तीन बजे बहन करतार देवी, कलानौर का थानेदार और बी० डी० ओ० वहां नहर को काटने को और कटवाने को तत्पर थे या नहीं। परन्तु वहां पर हजारों लोग तैनात थे इसलिये इनकी हिम्मत नहीं हुई। ये सब गल्त बोल रही हैं ..... (विघ्न)

अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपनी सरकार के बारे में बोलते हुए कहा है कि वह एस० वाई० एल० कैनाल बना नहीं सकी। जिस दिन से मुख्य मन्त्री ने शपथ ली थी उसी समय उन्होंने कहा था कि एक साल के अन्दर एस० वाई० एल० पूरी करवा देंगे छः महीने में पूरी कर देंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि सारा डिस-क्रेडिट आज के मुख्य मन्त्री को जाता है। स्पीकर साहब * * * * * * * * * * * * * * *।

श्री अध्यक्ष : यह रिकार्ड न किया जाये।

प्रो० छतर सिंह चौहान : अध्यक्ष महोदय, मुख्य मन्त्री जी ने बार बार आश्वासन दिया है कि हम एस० वाई० एल० बनायेंगे। जबकि पौने पांच साल का समय खत्म हो चुका है परन्तु एक ईंट तक भी नहीं लगी, एक कस्सी भी वहां नहीं लगी। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मन्त्री महोदय के ध्यान में लाना चाहता हूं कि इन्होंने आज सुप्रीम कोर्ट में जो केस डाला है वह सिर्फ हरियाणा के लोगों की आंखों में धूल डालने के लिये किया है। (घन्टी) ये पहले भी एक बार इस केस को सुप्रीम कोर्ट में लेकर गये थे। फिर इन्होंने वह वापस ले लिया। आज क्या जरुरत थी कि ये दोबारा सुप्रीम कोर्ट में इस केस को लेकर गये हैं। सिर्फ इस बात के लिये कि अपनी विफलताओं को छिपाने के लिये और कोई दूसरा तरीका इनके पास नहीं था। एस० वाई० एल० कैनाल यह सरकार नहीं बना सकती क्योंकि इनमें हिम्मत नहीं है। इनको अपनी कुर्सी का डर है। कम से कम यह सरकार यह तो कर दे कि हरियाणा प्रदेश के पास जितना पानी अवेलेबल है उसको दक्षिणी हरियाणा और सारे प्रदेश में बराबर बांट दे। आज सिरसा और हिसार जिलों की नहरें महीने में 24 दिन चल रही हैं। महेन्द्रगढ़ और भिवानी जिलों के लोगों को पानी नहीं मिल रहा है। स्पीकर साहब, नहरें बनाना तो दूर रहा अगर इनमें हिम्मत है तो हरियाणा में जो मौजूदा पानी अवेलेबल है उसको सारे प्रदेश में बराबर बांट दें। हिसार और सिरसा जिलों के अलावा जो दूसरे जिलों के लोग हैं वे भी तो हरियाणा के वासी हैं। यह नहीं होना चाहिए कि आज हरियाणा

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

प्रदेश के मुख्य मन्त्री चौधरी भजन लाल बन गए तो वे रिवाड़ी, भिवानी और महेन्द्रगढ़ जिलों के लोगों का विनाश करें। ये उन जिलों के लोगों का विनाश करने पर तुले हुए हैं। उन जिलों के लोगों का पानी का जो हक है वह उनको मिलना चाहिए। (घंटी)

श्री अध्यक्ष : चौहान साहब, आप दो मिनट में अपनी बात समाप्त करें।

प्रो० छतर सिंह चौहान : स्पीकर साहब, आप मुझे अपनी बात कम्पलीट करने के लिये पांच मिनट का टाईम दे दें। मैं पांच मिनट में अपनी बात कम्पलीट कर दूंगा। हमारे प्रदेश में बिजली का बहुत बुरा हाल है। जब चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी इस सीट पर बैठते थे तो कहा करते थे कि भजन लाल की सरकार ने किसानों की कमर तोड़ दी क्योंकि इन्होंने बार बार बिजली की दरों को बढ़ाया है। लेकिन आज उनके ऊपर बिजली मन्त्री का भार है इसलिये आज वे यह बात कहने में लाचार हैं क्योंकि इनको अपनी कुर्सी जाने का डर है। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहूंगा कि आज प्रदेश में जितनी भंयकर स्थिति बिजली की है उतनी पहले कभी नहीं हुई। बिजली की कोई कमी नहीं है। (शोर)

बिजली मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिंह) : स्पीकर साहब, माननीय सदस्य को सदन को गुमराह नहीं करना चाहिए। लोगों ने इनको इलैक्ट करके यहां भेजा है। इन्होंने अपनी काल अटैंशन मोशन के जरिए बिजली के बारे में बहुत कुछ कहा। जब एक घंटे का सैशन का ब्रेक हुआ उस समय मैंने यहां से जाते ही खाना भी नहीं खाया मैंने एस० ई० भिवानी को टैलीफोन किया और मैंने उनको चार गांवों के नाम बताए कि बौंद, बढेसरा, मिश्री और बापोड़ा में जो ट्रांसफार्मर जले हुए हैं उनको बदला क्यों नहीं गया। स्पीकर साहब, एस० ई० भिवानी ने औन ओथ यह कहा कि इन गांवों में एक भी ट्रांसफार्मर जला हुआ नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले डेढ़ महीने से ट्रांसफार्मर बदलने में हमें कोई दिक्कत नहीं है। हम 24 घंटे के नोटिस में जले हुए ट्रांसफार्मर को बदल देते हैं। इनको इस तरह से गलत बात नहीं कहनी चाहिए।

प्रो० छतर सिंह चौहान : स्पीकर साहब, मैं यहां बड़ी जिम्मेदारी के साथ बोलता हूं। मैं कल इनके औफिस में जाऊंगा। मेरे सामने ये एस० ई० भिवानी को टैलीफोन करें अगर वह मेरे सामने यह बात कह दें कि उन गांवों के ट्रांसफार्मर बदलवाने के लिये छतर सिंह उनके पास बार बार नहीं गया तो मैं मान जाऊंगा। मन्त्री जी को इस तरह से असत्य नहीं बोलना चाहिए। यह इनको शोभा नहीं देता।

श्री बीरेन्द्र सिंह : आप कल मेरे ऑफिस में क्यों आए अभी चलते हैं। यहीं से आपके सामने मैं भिवानी के एस0 ई0 से इस बारे में बात करता हूं।

श्री मनी राम : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है । एक दिन की बात है मैं चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी के पास अपने इलाके की बिजली की हालत बताने के लिये गया । उस समय प्रो0 छतर सिंह चौहान हजूरेआला अपने हाथ में एक पर्ची ले कर चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी के पास आए। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी इनको कहने लगे आओ चौहान साहब पहले आपका काम करेंगे । चौहान साहब कहने लगे कि यह एक जे0 ई0 का तबादला करना है । चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने कहा कि यह तो कर देंगे आप बिजली की स्थिति के बारे में बताएं कैसी है। चौहान साहब कहने लगे कि वाकई में बिजली की स्थिति ठीक है लेकिन यह बात मैं असैम्बली में नहीं कहूंगा । (शोर)

प्रो0 छतर सिंह चौहान : स्पीकर साहब, मैंने इनसे किसी के तबादले की बात नहीं कही ।

श्री मनी राम : इन्होंने उस समय यह कहा था कि मैं इसको असैम्बली में नहीं कहूंगा लेकिन वाकई में बिजली की स्थिति ठीक है । यह बात इन्होंने उस दिन कही थी ।

Mr. Speaker : The position has already been clarified by the Minister about electricity. क्या इन्होंने यह भी कहा था कि बिजली ठीक चल रही है ।

श्री मनी राम : स्पीकर साहब, इन्होंने यह बात कही थी कि बिजली ठीक सप्लाई की जा रही है लेकिन वह इसकी असैम्बली में हां नहीं करेंगे ।

श्री बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, यह कोई बुरी बात नहीं है, जब ये मन्त्री बन जाएंगे उस समय मैं इनके पास तबादले के लिये चला जाऊंगा । ये कह रहे हैं कि ये दो महीने में होम मिनिस्टर बनेंगे । (हंसी)

प्रो0 छतर सिंह चौहान : चौधरी बीरेन्द्र सिंह, जी आप ही बता दें कि क्या मैं आपके पास किसी तबादले के लिये आया था ।

श्री बीरेन्द्र सिंह : आप लोगों को रिप्रेजेन्ट करते हैं । किसी का गलत ट्रांसफर हो जाये तो उस बारे में आप आकर कह सकते हैं । इसमें बुरा मानने की कोई बात नहीं है ।

श्री० छतर सिंह चौहान : आज मैं विश्वास के साथ कह रहा हूं कि हरियाणा में बिजली की बहुत अधिक चोरी हो रही है। इस चोरी को रोकने के लिये सरकार की तरफ से कोई कार्यवाही नहीं की जा रही । (विघ्न) इस बिजली को बड़े बड़े कारखाने वाले चुरा रहे हैं और यह सब सरकार की शह पर हो रहा है।

स्पीकर साहब, जहां तक एजूकेशन का संबंध है, हमारे यहां पर अब एजूकेशन का कोई महत्व नहीं रह गया है । आज एजूकेशन की हालत बहुत खराब है । आप का तो एजूकेशन से संबंध रहा है और हम भी उससे जुड़े हुए हैं । इस बारे में सरकार और विभाग सिर्फ मार्च के महीने में सचेत होता है और वह भी नकल रोकने के लिये सचेत होता है । एक सिपाही से लेकर एस० पी० तक और एक पटवारी से लेकर डी० सी० तक और विभाग के छोटे से लेकर बड़े अधिकारी तक सब सचेत होते हैं कि नकल रोकें। अच्छी बात है नकल रोकें । नकल होना हमारे प्रदेश पर एक कलंक है। मैंने सदन के पटल से कई बार कहा है कि शिक्षा के बारे में कोई ऐसी व्यवस्था की जाए जिससे स्कूलों में ठीक प्रकार से पढ़ाई हो सके। आज देहात में बच्चों की ठीक तरह से पढ़ाई नहीं हो पा रही । न वहां पर अध्यापक हैं और न कमरे हैं । मुलाना साहब के बच्चे तो शहर में अच्छे अच्छे स्कूलों में पढ़ते हैं लेकिन देहात के बच्चों की ठीक तरह से पढ़ाई नहीं हो रही । इसलिये मेरी सरकार से मांग है कि सरकार इसको गंभीरता से ले और देहात में बच्चों की पढ़ाई की तरफ विशेष ध्यान दे। सरकार को चाहिये कि अध्यापकों का ठीक तबादला हो और उनकी ठीक तरह से नियुक्ति हो। जब उनकी नियुक्ति ठीक नहीं होगी तो वे पढ़ाई भी ठीक प्रकार से नहीं करवा पाएंगे । अतः मेरी पुनः मांग है कि इस तरफ सरकार विशेष ध्यान दे ।

स्पीकर साहब, जहां तक परिवहन व्यवस्था का संबंध है, हमारे यहां पर वह भी ठीक नहीं है । किसी बस की छत ठीक नहीं है, किसी की खिड़की ठीक नहीं है । हरियाणा रोडवेज की बसों के आये दिन एक्सीडेंट होते हैं । इस संबंध में मैं मंत्री महोदय का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि दो तीन साल पहले मिनी बसों की खरीद के बारे में मैंने सवाल किया था । उस समय यहां पर बताया गया था कि इन बसों की ठीक प्रकार से खरीद नहीं हुई और इसमें चौटाला साहब और उस समय के परिवहन मन्त्री को दोषी पाया गया था लेकिन इनके खिलाफ आज तक कोई कार्यवाही नहीं की गई । कृपया मुख्यमन्त्री जी बताएं कि क्यों नहीं उनके खिलाफ अभी तक कोई एक्शन लिया गया।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं पब्लिक हैल्थ के बारे में कहना चाहता हूं । जो पीने का पानी गांवों में दिया जा रहा है वह ठीक नहीं है। हमारे नेता बंसी लाल जी ने भी कहा था कि कहीं का भी पानी टैस्ट करवा लें वह पोटेबल

[प्रो० छत्तर सिंह चौहान]

वाटर नहीं है। बेचारा गरीब किसान तो जोहड़ के पानी को भी हज्म कर लेता है लेकिन उनको पानी ठीक देना भी तो सरकार का कर्तव्य है । उनको गन्दा पानी दिया जा रहा यह कोई अच्छी बात नहीं है । उनको गन्दा पानी क्यों दिया जा रहा है क्या सरकार इस पर कोई कार्यवाही करेगी ? मैं चाहता हूं कि हर डिस्ट्रिक्ट हैड क्वार्टर पर और सब डिवीजन पर कोई लैबोरेटरी हो। मैं तो यह कहता हूं कि जहां भी वाटर वर्क्स हो वहां पर लैबोरेटरी होनी चाहिये ताकि तत्काल पानी का निरीक्षण हो सके और लोगों को गन्दा पानी पीने से बचाया जा सके । इन्हीं शब्दों के साथ मैं स्पीकर साहब एक दो लाईन और कहूंगा । यह सरकार जब से आई है ला एंड आर्डर बिगड़ा है । सड़कों की बुरी हालत है। हमारे नेता चौ० अमर सिंह यह कहा करते थे कि सड़कों पर थेगली नहीं लगेगी, नये पुल बनाए जाएंगे । अगर चौ० भजन लाल जी इन्हें जाकर देखें तो मैं दावे के साथ कहता हूं कि किसी भी एप्रोच रोड पर पी० डब्ल्यू० डी० विभाग ने कोई काम नहीं किया है ।

श्री अध्यक्ष : अब आप बैठिए ।

प्रो० छत्तर सिंह चौहान : स्पीकर साहब, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिये मैं धन्यवाद प्रकट करता हूं ।

नियम 30 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker : Hon'ble members, I have received a notice from Hon'ble Parliamentary Affairs Minister regarding holding of sitting concerning official business tomorrow i.e. 29th February, 1996. I have given my consent to move such a motion.

Hon'ble Members, now the Parliamentary Affairs Minister will move the motion under Rule 30.

Irrigation Minister (Shri Jagdish Nehra) : Sir, I beg to move—

That Rule 30 of the Rules of Procedure and conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended and Government Business be transacted on Thursday, the 29th February, 1996 from 9.30 A.M. to 1.30 P.M.

Mr. Speaker : Motion moved—

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended and Government Business be transacted on Thursday, the 29th February, 1996 from 9.30 A.M. to 1.30 P.M.

Mr. Speaker : Question is—

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended and Govt. Business be transacted on Thursday, the 29th February, 1996 from 9.30 A.M. to 1.30 P.M.

The motion was carried.

नियम 22(2) के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker : Hon'ble Members, as per the decision of the House, Supplementary Estimates for the year 1995-96 are to be taken up today and it has been decided by the House to hold an official sitting tomorrow. In view of this fact, notice of another motion by Parliamentary Affairs Minister has been given for postponement of discussion on Governor's address to tomorrow so that demands for grants are discussed and voted today. I have given my consent for moving such a motion.

Hon'ble Members, now the Parliamentary Affairs Minister will move the motion under Rule 22(2).

Irrigaition Minister (Shri Jagdish Nehra) : Sir, I beg to move—

That the discussion on Governor's Address be postponed till Thursday i.e. 29th February 1996 in favour of discussion and voting on the Supplementary Estimates 1995-96.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the discussion on Governor's Address be postponed till Thursday i.e. 29th February, 1996. in favour of discussion and voting on the Supplementary Estimates 1995-96.

Mr. Speaker : Question is—

That the discussion on Governor's Address be postponed till Thursday i.e. 29th February, 1996 in favour of discussion and voting on the Supplementary Estimates 1995-96.

The motion was carried.

नियम 22(2) के अधीन कार्य के कार्यक्रम में परिवर्तन करना/राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा को स्थगन करने संबंधी प्रस्ताव को वापस लेना

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now discussion and voting on the Supplementary Estimates for the year 1995-96 will take place. (Interruptions).

चौधरी बंसी लाल : स्पीकर सर, आज सवेरे यह तय हुआ था कि डिमाण्डज के ऊपर कल बोला जाएगा, कल जब मुख्य मन्त्री जी राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर जवाब दे देंगे उसके बाद डिमाण्डज ली जाएंगी । (विघ्न) यह आज के लिये नहीं था । (विघ्न) अगर आप अपनी बात से मुकरते हैं तो आपकी मर्जी है । तय यह हुआ था कि यह कल होगा और आज गवर्नर एड्रैस डिस्कस होगा । (विघ्न)

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल) : अध्यक्ष महोदय, यह तो रिकार्ड की बात है यह तय हुआ था कि बोलने का टाईम और बढ़ा लें, इसमें कोई दिक्कत नहीं है । एक घंटे का लन्च ब्रेक करके दोबारा मिल लेंगे इसमें कोई बात नहीं है । जो बोलने वाले हैं वे घंटा दो घंटे और बोल लें, इसमें कोई नुक्सान नहीं और उसके बाद डिमाण्डज आज हो जाएं । गवर्नर एड्रैस पर बहस का जवाब मैं कल दे दूंगा । उसके बाद नान-आफिशियल डे शुरु हो जाएगा यह फैसला हुआ था । यह तो रिकार्ड की बात है । अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने कहा था कि ठीक है । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : कार्यवाही निकाल लें, पता चल जाएगा ।

चौधरी बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं भी कहता हूं कि आप कार्यवाही निकलवा लें, हम को भी पता है । हम भी उस वक्त यहीं हाउस में थे हमको सब कुछ पता है । हम भी सदन में बैठे हुए थे । आप कार्यवाही देख लें । यह तय हुआ था कि आज शाम तक गवर्नर एड्रैस पर बहस हो जाए ।

श्री अध्यक्ष : हमारी नालेज में तो यह बात है कि यह तय हुआ था कि डिमांडज आज हों ।

चौधरी बंसी लाल : स्पीकर सर, ऐसा तय नहीं हुआ था । आप कार्यवाही निकलवा लें । हम उसको सुन कर ही मानेंगे कि ऐसा तय हुआ था । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : इसमें थोड़ा टाईम लगेगा, ये बोलना तो शुरु करें (विघ्न)

प्रो० राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, गवर्नर एड्रैस को कम्पलीट करवा दें । (विघ्न)

चौधरी भजन लाल : वह सारी बात तो पहले हो ली है ।

चौधरी बंसी लाल : नहीं हुई है ।

चौधरी भजन लाल : अब तो दूसरा मोशन आ चुका है ।

चौधरी बंसी लाल : इस प्रकार का मोशन लाने से कोई फर्क नहीं पड़ता है ।

चौधरी भजन लाल : चौधरी साहब, आप बहुत ही पुराने और सीनियर मैम्बर हैं और सब बातें जानते हैं । जब दूसरा मोशन आ गया और पास भी हो लिया तो अब क्या होना चाहिए । आप इस बारे में पहले कहते ।

चौधरी बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, यह बात प्रिंसिपल की है न कि इस बात की है कि क्या है या क्या होना चाहिए । यह बात कोई मायने नहीं रखती कि यह हो गया या वह हो गया । इनकी मर्जी है चाहे जो मोशन ले आएं और उसको पास कर लें क्योंकि इनका बहुमत है । अध्यक्ष महोदय, आपने भी वही कहना है जो मुख्य मन्त्री जी कहेंगे । आप सवेरे की प्रोसीडिंग्ज निकलवा लें तो पता चल जाएगा कि आज सवेरे क्या तय हुआ था ।

चौधरी भजन लाल : चौधरी बंसी लाल जी, आपको यह बात शोभा नहीं देती कि आप यह कहें कि जो मुख्य मन्त्री जी कहेंगे वही आप कहेंगे । अगर ऐसा होता तो आज डेढ़ बजे ही सैशन खत्म हो सकता था लेकिन हमने कहा कि नहीं । (विघ्न)

चौधरी बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, आप हमें प्रोसीडिंग्ज पढ़ कर सुना दें, हम मान लेंगे या फिर गवर्नर एड्रैस पर बहस चालू रहने दें ।

चौधरी भजन लाल : जब अगला मोशन आ गया तो फिर वह बात तो खत्म हो गई । आपने "यस" कहा था मैंने खुद सुना है । (विघ्न)

चौधरी बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, आप प्रोसीडिंग्ज पढ़ कर सुना दें, इसमें क्या दिक्कत है ।

प्रो० राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मेरी सबमिशन है (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : बंसी लाल जी, ऐसा है कि प्रोसीडिंग्ज देखने गए हैं, इसमें अभी थोड़ा टाईम तो लगेगा ।

प्रो० राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, मेरी भी सबमिशन है कि आप इस आगस्ट हाउस के गार्डियन हैं और आप कभी भी अपनी डिस्क्रिशन लागू कर सकते हैं ।

श्री अध्यक्ष : यह डिस्क्रिशन की बात नहीं है, गवर्नर एड्रैस पोस्टपोन हुआ है ।

प्रो० राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, मेरी सबमिशन यह है कि कुम्बा मार व्याह और पशु मार खेती कभी नहीं फलती । अध्यक्ष महोदय, अब पांच बजने वाले हैं और 1057 करोड़ रुपये की डिमांडज कम्प्यूटराईज्ड वे से पास कर दी जाएं । अगर ऐसा हुआ तो यह न्याय नहीं होगा । मुख्य मन्त्री जी ने अपने ढंग से सारी बात कह दी क्योंकि आज अखबार वालों की छुट्टी है हमारे मुख्य मन्त्री जी का तो जवाब ही नहीं वे तो सारी बात पहले ही पता कर लेते हैं । इन्होंने कल जवाब देना है क्योंकि इनकी बात आज छपनी नहीं है स्पीकर सर, मैं आपसे सबमिशन करना चाहता हूं कि 2-3 साथी गवर्नर एड्रैस पर बोलना चाहते हैं उनको थोड़ा बोलने दें । जैसे कि मुख्य मन्त्री जी ने कहा है वे कल क्वैश्चन आवर के बाद गवर्नर एड्रैस पर रिप्लाई दे देंगे और उसके बाद डिमांडज के ऊपर चर्चा होगी । इसीलिए नेहरा जी नौन आफिशियल डे को आफिशियल डे में बदल रहे हैं । स्पीकर सर, इसमें कोई गलत बात नहीं है और कोई दिक्कत नहीं है । (विघ्न)

सिंचाई मंत्री (श्री जगदीश नेहरा) : आन ए प्वायंट आफ आर्डर । स्पीकर साहब, जो पहले मोशन आई वह रुल 30 के तहत नान आफिशियल को आफिशियल डे करने के लिये थी और दूसरी गवर्नर एड्रैस पर बहस को पोस्टपोन करने के बारे में थी । जब दोनों मोशन पढ़ी गई तो इन्होंने न भी नहीं की और जब ये एडौप्ट हो गई हैं तो ये बोल रहे हैं ।

चौधरी बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, हमने इस बात के लिये हां की थी कि नान आफिशियल डे को आफिशियल डे में कन्वर्ट कर दिया जाए । मगर इसके लिये नहीं की थी, ये डिमांड 1057 करोड़ रुपए की हैं । ये डिमांड नहीं पूरा बजट का बजट है । इस बारे में सुबह कहा गया था कि पूरी बहस होगी । अगर ऐसा नहीं कहा गया तो आप आज सुबह की कार्यवाही पढ़ कर सुना दें, अगर हम गलती पर होंगे तो हम माफी मांगेंगे ।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, यह पैसा अगले साल के लिये नहीं है बल्कि पहले खर्च हो गया है ।

श्री अध्यक्ष : बंसी लाल जी आप यह सुनें जो आपने मानी है और आपने हां भरी है : This is as under :—

> "That the discussion on Governor's Address be postponed till Thursday i.e. 29th February, 1996 in favour of discussion and voting on the Supplementary Estimates 1995-96."

चौधरी बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरी सबमिशन है कि आपने हमें बगैर कान्फीडैंस में लिये यह पास कर दिया । (विघ्न)

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, यह आखिरी सैशन है और हम यह नहीं चाहते कि हमारे से कोई मैम्बर खफा हो या किसी को तकलीफ हो। हम ऐसा कोई काम नहीं करना चाहते हैं। अगर हम ऐसा कुछ चाहते होते तो आज की सिटिंग डेढ़ बजे खत्म कर सकते थे। अध्यक्ष महोदय, अब कल नान आफिशियल डे नहीं रहेगा। मैं यह कहना चाहता हूं कि कल साढ़े दस बजे मेरा जवाब हो जाएगा और इसके बाद डिमान्डज ले लेंगे।

आवाजें : ठीक है।

चौधरी भजन लाल : ठीक है, अब यह मामला खत्म हो गया।

चौधरी बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमन्त्री जी ने कहा था कि सभी मैम्बर थोड़ा-थोड़ा बोल लेंगे तो हमारे कुछ मैम्बर रह गए हैं, उनको भी बोलने का मौका दिया जाए।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, कल 10.30 बजे मेरा जवाब आ जाएगा और उसके बाद डिमांडज आ जाएंगी और नान आफिशियल डे खत्म हो जाएगा क्या आपको यह मन्जूर है।

चौधरी बंसी लाल : ठीक है।

Mr. Speaker : Is it the sense of the House that the motion under Rule 22(2) carried by the House regarding postponement of discussion on Governor's Address be treated as withdrawn ?

Voices : Yes, yes.

Mr. Speaker : The motion under rule 22(2) is withdrawn.

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्ष : अब श्री ओम प्रकाश जिन्दल गवर्नर एड्रैस पर बोलेंगे।

श्री ओम प्रकाश जिंदल (हिसार) : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में कानून और व्यवस्था का बहुत बुरा हाल है और कोई भी आदमी आज हरियाणा में सेफ नहीं है। हिन्दुस्तान में कहीं भी इस तरह की कानून व्यवस्था नहीं है। इसी तरह से भ्रष्टाचार में भी हरियाणा सबसे आगे है। यहां पर पटवारी से लेकर डी० सी० तक सिपाही से लेकर एस० पी० तक और विधायक से लेकर चीफ मिनिस्टर तक सभी ने बैड़ा गर्क किया हुआ है। इतना भ्रष्टाचार हरियाणा में फैला हुआ है .... (शोर एवं व्यवधान)

सिंचाई मंत्री (श्री जगदीश नेहरा) : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। सर, माननीय सदस्य जिन्दल साहब जो कुछ बोल रहे हैं वह क्या इनको शोभा देता है? ये खुद ही सोचें कि क्या इस सभा में इनको ऐसी-ऐसी बातें कहनी चाहिएं। क्या ये बातें कोई कहने वाली हैं? (विघ्न) इनका यह कोई तरीका थोड़े ही है।

श्री ओम प्रकाश जिंदल : अध्यक्ष महोदय, मन्त्री जी यह इसलिये कह रहे हैं क्योंकि इनके पास पावर बहुत है। (विघ्न) अभिभाषण में बाढ़ के बारे में जिक्र किया गया है मैं तो यह कहता हूं कि बाढ़ आने से इनकी तो लाटरी ही खुल गई है। जिसको रीयल में हक मिलना चाहिए था उसको मिला नहीं और मन्त्रियों एवं आफिसर्ज ने अपनी लाटरियां इस बाढ़ में खोल ली हैं। जिसके मकान गिरे नहीं, जिसके पशु मरे नहीं उसको तो मुआवजा दे दिया गया लेकिन जिसको असल में मुआवजा मिलना चाहिए था उसको नहीं दिया गया। इसी तरह से एस0 वाई0 एल0 के बारे में मुख्य मन्त्री जी ने कहा था कि मैं एस0 वाई0 एल० का पानी हरियाणा में ला दूंगा और अगर नहीं लाया * * * * * * * * * * * * * * * इस सरकार को बने हुए आज तीन महीने कम पांच साल हो गए हैं। (विघ्न)

श्री जगदीश नेहरा : स्पीकर साहब, इनके द्वारा यह कहना कि नाक कटा लेंगे क्या पार्लियामेंट्री लैंग्वेज है? अगर कोई इनको ही ऐसा कहे कि आप अपनी नाक कटा लो तो इनको कैसा लगेगा? माननीय सदस्य जो लैंग्वेज बोल रहे हैं क्या वह पार्लियामेंट्री लैंग्वेज में आती है। आप इनसे कहिए कि ये अनपार्लियामेंट्री लैंग्वेज न बोलें। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : जिन्दल साहब ने जो अनपार्लियामेंट्री लैंग्वेज कही है उसको रिकार्ड न किया जाए। जिन्दल साहब आप पार्लियामेंट्री लैंग्वेज ही बोलें।

श्री ओम प्रकाश जिंदल : स्पीकर सर, इन्होंने विधान सभा के पहले ही सैशन में कहा था कि मैं एस0 वाई0 एल0 का पानी ला दूंगा लेकिन इस काम में आज एक भी ईंट नहीं लगी और अब यह मामला सुप्रीम कोर्ट में ये ले गए हैं। अगर मुख्यमन्त्री जी इस मामले को लेकर अनशन कर देते और अनशन पर बैठ जाते तो पानी हरियाणा को मिल सकता था क्योंकि प्राईम मिनिस्टर इनको कभी भी मरने न देते और इनकी पूरी स्पोर्ट वे करते मैं तो कहूंगा कि अभी भी टाईम है इसलिये ये अनशन पर बैठ जाएं। अगर ये एक महीने अनशन पर बैठ जाते तो दो करोड़ लोगों को इसका फायदा होता

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

वैसे भी भ्रष्टाचार में इनका नाम ऊंचा है और अगर ये ऐसा करेंगे तो इनका कुर्बानी में भी नाम ऊंचा हो जाएगा । पैरा-7 में बिजली के बारे में जिक्र किया गया है । आज हरियाणा में जितनी बिजली पैदा हो रही है उसका 18-20 या 27 परसैंट के करीब लौस में जा रहा है । मैं कहता हूं वह लौस नहीं है वह हेराफेरी है और वह बड़े बड़े इंडस्ट्रियलिस्ट्स को बेची जा रही है । (विघ्न)

श्री जगदीश नेहरा : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्लायंट आफ आर्डर है । क्या ये खुद समझते हैं कि ये क्या कह रहे हैं ? इनकी बात का कोई मतलब नहीं है । मेरी आपसे गुजारिश है कि इनको कंटेन करिए कि जो भाषा बोलें वह ऐसी भाषा बोलें जो कि सभा के मुताबिक हो ।

श्री अध्यक्ष : नेहरा साहब आप बैठ जाइए ।

श्री ओम प्रकाश जिंदल : बिजली ऐसी चीज है जिसमें 2—4 परसैन्ट का लौस तो हो सकता है लेकिन इतना ज्यादा लौस नहीं हो सकता । किसान को बिजली सबसे कम मिलती है । किसान को चार घंटे बिजली मिलती है और बिल हार्स पावर के हिसाब से लिया जाता है । पैरा नं0 20 में एक परिवार एक रोजगार का जिक्र है, यह सही नहीं है चार घरों में एक आदमी को रोजगार भी नहीं मिला । बैकवर्ड लोगों को भी सर्विस कम मिल रही है । उनका भी पूरा हक है और हरियाणा में उनको भी सर्विस मिलनी चाहिए । हरियाणा के हमारे जो हरिजन भाई हैं उनको भी सर्विस मिलनी चाहिए । उनके पास पैसे नहीं है और बगैर पैसे के सर्विस मिलती नहीं है । इसके अलावा जो 1700 सिपाही घर वापस आ गए हैं, उनसे जो रुपये लिए गए हैं, क्या वे वापस किए जाएंगे ? यह विश्वास दिलाएं ।

श्री जगदीश नेहरा : स्पीकर सर, इनको तो कोई फोबिया हो गया है और ये कुछ नहीं करेंगे हरेक बात के साथ मन्त्री और मुख्यमन्त्री इन्होंने जोड़ देना है । मेरी आपसे गुजारिश है कि ये बोलें तो ठीक ढंग से बोलें । यदि बोलना नहीं आता तो बोलना कोई जरूरी नहीं है । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : जिन्दल साहब, बार बार रैपीटीशन की जरूरत नहीं है और कोई बात कहनी हो तो कहें ।

श्री ओम प्रकाश जिंदल : स्पीकर साहब, मेरी कोई ऐसी डायरी नहीं है जिस पर पैसे लिखें हों । जैन की डायरी में कोई भी प्वायंट छिपा नहीं निकला । हवाला कांड का उस ने पर्दा फाश किया है ।

17.00 बजे

धन्यवाद ।

श्री राम भजन अग्रवाल (भिवानी) : अध्यक्ष महोदय, आपकी बहुत मेहरबानी कि आपने मुझे समय दिया। जिन्दल साहब ने अपनी डायरी के बारे में बताया। अगर वे अपनी डायरी खोल देंगे तो यह बात सुप्रीम कोर्ट में चली जाएगी और पता नहीं फिर किस किस को मुश्किल होगी।

चौधरी भजन लाल : उससे तो चौधरी बंसी लाल को मुश्किल हो जाएगी (हंसी)।

श्री राम भजन अग्रवाल : अध्यक्ष महोदय, जहां तक कानून व्यवस्था की बात है, हमारे आदरणीय सदस्यों ने इस बारे में विस्तार में कहा है। मैं इसकी ज्यादा डिटेल में नहीं जाऊंगा। मैं तो इतना ही कहूंगा कि इस प्रदेश के अन्दर जो रक्षक हैं वही भक्षक हो रहे हैं। आज एस0 पी0, डी0 एस0 पी0 और इन्स्पैक्टर जेलों में बन्द हो रहे हैं तथा बहुत जल्द और भी होने वाले हैं। जहां ऐसी हालत हो तो उस प्रदेश की कानून व्यवस्था के बारे में क्या कहा जाए। जो लोग लोगों को जेल में बन्द करते हैं वे खुद जेल में बन्द हों तो उस प्रदेश का क्या हाल होगा। मैं इस बात से आगे यह कहूंगा कि यहां पर चोरी, डकैती और रेप की घटनाएं दिन प्रतिदिन बढती जा रही हैं। सरकार को इन पर कन्ट्रोल करना चाहिए। जहां तक बाढ़ का सवाल है इस बारे में पिछले सैशन में भी बात आई थी। उस समय तो केवल एक ही विषय पर बात हुई थी लेकिन अब दो विषय बन गए क्योंकि अब उस बाढ़ का मुआवजा भी उसमें शामिल हो गया है। प्रकृति का प्रकोप तो था ही लेकिन साथ में सरकार का प्रकोप भी बढ़ गया। अगर सरकार चाहती तो इस प्रकोप को भिवानी के अन्दर कम किया जा सकता था। उसके तीन कारण थे जिसकी वजह से वहां बर्बादी हुई। एक तो वहां सीवरेज की सफाई नहीं की गई इस वजह से उस सीवरेज की पाइपों में इतना पानी कंज्यूम करने की पावर नहीं थी। दूसरे नहरों की सफाई नहीं हुई। मुख्य मन्त्री जी ने इस काम के लिये वर्ल्ड बैंक से लोन ले रखा था लेकिन उनकी सफाई नहीं करवाई। अगर उनकी सफाई हुई होती तो वह पानी उन नहरों में डाला जा सकता था तीसरी बात यह है कि जो भिवानी में लिफ्ट इरीगेशन की स्कीम बनी थी। उस पर 68 पम्प थे। वे सारे बन्द पड़े थे। एक तरफ के पम्प बिजली से चलने वाले थे और दूसरी तरफ जनरेटर से चलने वाले थे। उनका भी समय पर आप्रेशन नहीं किया गया। अगर वे पम्प सैट ठीक होते तो यह आफत कम हो सकती थी हमारा दुर्भाग्य है कि सरकार इन बातों में फेल रही इसलिये हमारे को यह दिन देखना पड़ा।

जहां तक मुआवजे का सवाल है, इसके बांटने में भी धांधली हुई है। अध्यक्ष महोदय, इसका कोई हिसाब नहीं है। पहले

भी बाढ़ के समय में धांधली हुई थी। जैसा कि मुझे पता है, तीन चार कारणों से ये बाढ़ को कन्ट्रोल नहीं कर पाए। अध्यक्ष महोदय, इन लोगों को मैं प्रैक्टीकल फिगर्ज बताना चाहता हूं। कुछ अधिकारी और नेतागण मिले हुए थे और एक कमरे के लिये दो दो, तीन तीन दफा मुआवजा दे दिया। लेकिन जिन गरीब भाइयों के सही भायने में घर गिरे थे उनको मुआवजा नहीं मिला। एक गांव में एक आदमी ने सात हजार रुपये में एक मकान ले लिया और यह कह दिया कि इसका मलबा आप उठा लेना। वह मकान तोड़ रहा था और इतने में बारिश हो गई। उसने दस हजार रुपये उस मकान का भी मुआवजा ले लिया। कईयों ने डबल या ट्रिपल मुआवजा ले लिया। लेकिन जो जरूरतमन्द थे उन भाइयों को कुछ नहीं मिला। अध्यक्ष महोदय, बाढ़ में मरने वालों के लिये सरकार ने कम्पनसेशन देने का वायदा किया था। मेरे शहर में एक गरीब मनियारी थी जिसका एक ही लड़का था। गांव में छः छः फुट पानी भर गया। उस मनियारी का लड़का डूब कर मर गया। लेकिन उस बेचारी को कोई मुआवजा नहीं मिला क्योंकि वह बेचारी गरीब थी। हनुमानगढ़ी का एक 23 साल का लड़का पानी में डूब कर मर गया लेकिन उसका डैथ सर्टिफिकेट अधिकारियों ने नहीं दिया जिसके कारण उसका कोई मुआवजा नहीं मिला। अध्यक्ष महोदय, जो मुआवजा बांटा गया है उसमें बहुत ही धांधली हुई है। मुआवजों के लिए जब पीड़ित लोग हमारे पास आते थे और हम उनको लेकर डी० सी० के पास जाते थे तो डिप्टी कमीशनर का जवाब होता था कि ये नेता लोग लोगों को लेकर आ जाते हैं, इनकी तो यह आदत है। अध्यक्ष महोदय, जो दुखी होगा वह आयेगा ही। अधिकारियों से कहेंगे ही लेकिन पता नहीं कि सरकार के आदेश थे या क्या कारण था कि शहर के अन्दर मुआवजा बंटने में बहुत ज्यादा दिक्कत रही है। जहां तक वाटर सप्लाई का सवाल है, मेरे इलाके में खासतौर पर भिवानी जिले की और मैं कई बार सरकार का ध्यान आकर्षित करा चुका हूं। आपके माध्यम से भी मैं मुख्यमन्त्री जी से कहता हूं कि प्रायः भिवानी के अन्दर पीने के पानी में सीवरेज का मिक्सड पानी आता है। बाढ़ के बाद तो वाटर सप्लाई रैस्टोर ही नहीं की गई जिससे कि लोगों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है। लोग नहरों और तालाबों का पानी पीकर गुजारा कर रहे हैं। जहां तक भिवानी शहर का ताल्लुक है, वहां सीवरेज का मिक्सड पानी आता है और वह भी दो टाईम की बजाए एक ही टाइम आता है। वह भी ठीक टाइम पर नहीं आता। इसके साथ-साथ जहां तक पानी के बिलों का सवाल है, आपके माध्यम से मैं पब्लिक हैल्थ वालों से पूछना चाहूंगा कि वाटर के बिलों का जो निर्णय सरकार ने लिया है, वह मेरे विचार से तर्कसंगत नहीं है। जहां दस एम० एम० की टूटी होगी इसके लिए 25 रुपये और आधा इंच की टूटी हो तो उसके लिए 40 रुपये का बिल लिया जाता है। दस एम० एम० और आधा इंच में कोई खास फर्क नहीं है। जिस वक्त कनैक्शन दिए थे उस वक्त एम०एम० का कोई सवाल नहीं था और लोगों के आधा इंच के फैरूल लगे हुए थे।

[श्री राम भजन अग्रवाल]

मेरे शहर में जहां आधा इंच के फैरूल लगे हुए थे वहां पर अधिकारी 40 रुपये का बिल भेजते हैं । यह बिल्कुल तर्कसंगत नहीं है । इसको ठीक करने के आदेश दिए जायें । दूसरी एक गलती यह हो रही है कि अगर डिपार्टमैंट में स्टाफ की कमी है तो मैं मुख्य मंत्री जी को आपके माध्यम से कहूंगा कि वे और स्टाफ दें चाहे वह बिल कलर्क हो । छः-छः महीने, आठ-आठ महीने, 12-12 महीनों तक के बिल आते हैं । एक गरीब आदमी एक-दो महीने का बिल तो दे सकता है लेकिन हजार-हजार रुपये या दो-दो हजार रुपये का बिल इकट्ठा होकर आये तो वह बिल्कुल अनुचित है । मैं अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि जहां तक बिलिंग का ताल्लुक है वह दो महीने से ज्यादा का नहीं होना चाहिए । न कि छः-छः या आठ-आठ महीने का आये । जब लम्प-सम बिल आता है तो उसको भरने में दिक्कत होती है । जो बिल का सिस्टम मीटर दैन वन-टैंथ का है उसमें भी कुछ सुधार होना चाहिए । पानी एक टूटी में नहीं आता और घर में अगर दो या तीन टूटियां लगी हैं तो 40 रुपये पर टूटी का रेट हो गया ये बातें कुछ व्यावहारिक नहीं हैं । अध्यक्ष महोदय, इसमें सुधार करना चाहिए क्योंकि पानी तो मिलता नहीं है, केवल बिल मिलते हैं इसमें सुधार करना चाहिए । अध्यक्ष महोदय, जहां तक सीवरेज का सवाल है वह बिल्कुल बन्द पड़ी है । चाहे पोलीथीन बैग्ज की वजह से हो या सीवरेज की कम कैपेसिटी की वजह से हो । शहर के अन्दर सीवरेज का पानी ओवर फ्लो कर रहा है । सड़कों के ऊपर पानी भरा पड़ा है और शहर के अन्दर काफी जगहों पर मेन होल नहीं हैं । अध्यक्ष महोदय, मेरे शहर में कई छोटे-छोटे ऐसे इलाके हैं जहां पर कि सीवर डलना चाहिए, उनके लिए कोई निर्णय नहीं लिया जा रहा है । कई इलाके ऐसे हैं जहां सीवर पड़ी हुई है और केवल पांच या दस फुट का टुकड़ा मेन सीवर से मिलना है । वह अधिकारी नहीं मिला पा रहे हैं जिस कारण 500-600 फुट डाला हुआ सीवर बेकार पड़ा है । इसलिए सरकार ने जो 500 या 600 फुट तक सीवर डाल दी है, वह पैसे का दुरुपयोग हुआ है । सरकार ने और इसके ओफिसर्ज ने इन छोटी-2 बातों की तरफ ध्यान नहीं दिया । बड़ी बातों की तरफ ये क्या ध्यान देंगे ? आपके माध्यम से सरकार से मेरा अनुरोध है कि सीवर के सिस्टम को ठीक किया जाए । जो छोटे इलाके रह जाते हैं जो नालियां रह जाती हैं उनमें सीवर डाली जाए । उसके लिए बजट दिया जाए । जो सीवर कनैक्शन के बगैर पड़ी हैं उनका कनैक्शन मिलाया जाए । शहर के अंदर गंदगी का बहुत बुरा हाल है । कोई सफाई नहीं है ।

श्री अध्यक्ष : अग्रवाल साहब, आप वाइंड-अप करें ।

श्री राम भजन अग्रवाल : शहरों के अंदर कूड़े के ढेर लगे हुए हैं । जो नालियां निकलती हैं उनमें से गंदगी निकाल कर सड़क पर कूड़े के ढेर लगा दिए जाते हैं । मेरे शहर भिवानी की म्यूनिसिपल कमेटी कुछ झगड़े में पड़ी हुई है । उसका कौन

प्रधान है कौन नहीं है इससे मेरा कोई मतलब नहीं है । मैं चाहूंगा कि उस म्यूनिसिपल कमेटी को सरकार ने जो पैसा दिया है उसका सही ढंग से उपयोग होना चाहिए । डी0सी0 और एस0डी0एम0 के माध्यम से सरकार वह पैसा खर्च करवाए । भिवानी शहर में जो नालियां हैं उनकी रिपेयर कराई जाए और वहां पर जो गंदगी के ढेर पड़े हैं उनको उठाने के लिए कोई अलहिदा से पूल बनाया जाए । भिवानी शहर की सफाई का स्टैंडर्ड बहुत गिर गया है । वहां पर गंदगी की वजह से बीमारी फैलने का बहुत खतरा है । जहां तक बिजली का सवाल है, उसके बारे में कई सदस्यों ने बताया कि सरकार पूरी बिजली देने के प्रयास कर रही है । बिजली मंत्री महोदय भी प्रयास कर रहे होंगे । कारण चाहे कुछ भी हों, चाहे कोई टैक्नीकल तकलीफ हो, चाहे कोई पावर लोड की तकलीफ हो लेकिन मेरे शहर भिवानी में शाम को बिजली नहीं जाती है । मैं चाहूंगा कि कम से कम शाम के समय मेरे शहर भिवानी में बिजली जरूर दी जानी चाहिए क्योंकि शाम को बच्चों की स्टडी का टाईम होता है । ट्यूबवैल चलाने का टाईम होता है । जहां तक बिजली के बिलों का सवाल है, उसके बारे में मेरा आग्रह है कि बिजली के बिल 5-5 और 6-6 महीने के इकट्ठे आते हैं । मैं चाहूंगा कि दो, महीने से ज्यादा के बिल नहीं आने चाहिएं क्योंकि लोग इतने लम्बे समय के बिल अदा करने में असमर्थ रहते हैं । इसलिए या तो बिजली के बिल मंथली आ जाएं या 2-2 महीने के आ जाएं तो लोगों को बिल की अदायगी में कोई दिक्कत नहीं होगी ।

श्री अध्यक्ष : आपके नेता तो कहते हैं कि किसानों से 6 महीने के बाद बिजली का बिल ले लें ।

श्री राम भजन अग्रवाल : वे ठीक कहते हैं क्योंकि किसानों की दो फसलें होती हैं और उनको ट्यूबवैल का बिजली का बिल साल में दो दफा देने में कोई दिक्कत नहीं होगी । इस लिए हमारे नेता की यह जैनुअन बात है । मैं तो डोमैस्टिक बिजली के बिलों के बारे में कह रहा हूं ।

श्री बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, कल चौ0 बंसी लाल ने यह कहा था कि बिजली चाहे आप बेशक प्राईवेट सैक्टर से लाओ और चाहे आप इसका प्राईवेटाइजेशन करो लेकिन इसी बात पर कर्ण सिंह दलाल और इनके दूसरे साथी आज सदन से वाक-आउट कर गए थे । यह तो इनकी हालत है ।

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है क्योंकि मंत्री जी ने मेरा नाम लेकर कहा है कि आज हमने वाक आउट किया था । इन्होंने जो सुझाव दिया था कि ये बिजली का निजीकरण करने जा रहे हैं, हमने उसके प्रोटैस्ट में वाक आउट किया था । चौधरी बंसी लाल जी ने कल यह बात कही थी कि आप किसी प्राईवेट कम्पनी से थर्मल प्लांट बनवा रहे हैं । उसमें हमें कोई एतराज नहीं । चौधरी बंसी लाल जी ने यह बात नहीं कही थी कि बिजली का निजीकरण कर दिया जाए ।

श्री राम भजन अग्रवाल: स्पीकर साहब, मैं कहना चाहता हूं कि जो जन साधारण हैं, जो मुलाजिम हैं और जो छोटे दुकानदार हैं उनके बिजली के बिल मंथली या 2-2 महीने के आने चाहिएं ताकि उनको बिल की अदायगी में कोई दिक्कत न हो। जहां तक ट्यूबवैल्ज की बिजली के बिलों का ताल्लुक है वह साल में दो दफा ही आएं, क्योंकि किसान तो बिजली का बिल फसल पर ही भर पाएंगे। अध्यक्ष महोदय, जहां तक स्कूलों के अपग्रेडेशन का सवाल है, उसके बारे में मैं कहना चाहूंगा कि मेरे हल्के में एक इतलाना गांव है। यह गांव जब से बसा है तब से उसमें मिडल स्कूल है, उसको अपग्रेड नहीं किया जा रहा है। ऐसे ही एक नांगल गांव है उसके स्कूल को भी अपग्रेड नहीं किया जा रहा है। कई गांव ऐसे हैं जहां लड़कियों के स्कूल हैं, उनको अपग्रेड नहीं किया जा रहा है। लड़कियां तीन-चार किलोमीटर की दूरी पर दूसरे गांव के स्कूल में जाने में दिक्कत महसूस करती हैं। आपके माध्यम से मेरा सरकार से आग्रह है कि सरकार कम से कम लड़कियों के स्कूलों को अपग्रेड करे ताकि उनको कोई दिक्कत न हो। स्कूलों के अन्दर टीचर्ज की पूरी व्यवस्था होनी चाहिए। आज देखने में आ रहा है कि गवर्नमैंट के नम्बर आफ स्कूल्ज की तो कोई लिमिट नहीं है लेकिन स्टाफ वहां पर नहीं है जिसके कारण बच्चों की पढ़ाई ठीक प्रकार से नहीं हो रही। आज एक-एक सैक्शन में 100-100 से लेकर 150-150 तक बच्चे पढ़ते हैं। इस संबंध में मेरा सरकार से आग्रह है कि सरकारी स्कूलों में स्टाफ का पूरा इंतजाम किया जाये। दूसरा मेरा सुझाव है कि स्कूलों में बच्चों के पौषाहार पर जो 12 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं, यह स्कीम प्राईम मिनिस्टर की तरफ से लागू की गई है, ठीक तरह से नहीं चल पा रही। बच्चों का ध्यान पढ़ाई की तरफ न जा कर इस तरफ ही लगा रहता है कि कब हमें खाने को पूरी मिलेगी जबकि उसकी मात्रा बहुत ही कम है। इस संबंध में मेरा सरकार को सुझाव है कि या तो इस स्कीम को और पैसा देकर अच्छी तरह से चलाया जाये या इस पैसे से पुस्तकें और वर्दी आदि देकर गरीब बच्चों की मदद की जाए। इस स्कीम से बच्चों की पढ़ाई का नुकसान होने के सिवाय अब तक और कुछ नहीं हो रहा। कृपया इस बारे में सरकार गंभीरता से सोचे। इस स्कीम में एक बच्चे को 10 ग्राम के हिसाब से खाने की चीज मुहैया करवाई जा रही है, जिससे कुछ बनने वाला नहीं है। इससे बच्चों का पेट भी नहीं भरता। इसलिए इस स्कीम में सुधार किया जाये।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं हैल्थ के बारे में कहना चाहता हूं। स्वास्थ्य विभाग का भी स्कूलों की तरह हाल है। हमारे यहां पर हॉसपीटल्ज और डिस्पैंसरीज तो खोल दिए गए हैं लेकिन उनमें न तो डाक्टर हैं और न दवाईयां हैं। मंत्री महोदया ने बताया था कि 7-8 रुपया प्रति पेशैंट खर्च किया जा रहा है। मेरी समझ में नहीं आ रहा कि यह 7-8 रुपया प्रति पेशैंट कैसे खर्च हो रहा है। हॉसपीटल में जब जाते हैं तो वहां पर केवल एक पर्ची डाक्टर की तरफ से मिलती है और दवाई

सारी बाहर से लानी पड़ती है । वह दवाई भी वहीं की लिखता है जहां से उसे कमीशन मिलना होता है । इसी प्रकार से ला एण्ड आर्डर की हालत भी बहुत खराब है । मैं समझता हूं कि किसी भी प्रदेश में इन तीनों चीजों का, यानि एजूकेशन, स्वास्थ्य और ला एण्ड आर्डर का ठीक होना बहुत ही जरूरी है । जब तक ये तीनों चीजें ठीक नहीं होंगी, वह प्रदेश आगे नहीं बढ़ सकता । इसलिए मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि सरकार इन तीनों मुद्दों की तरफ ध्यान दे और इनमें सुधार करे ।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण—

चौधरी बंसी लाल द्वारा

चौधरी बंसी लाल : आन ए प्वायंट आफ पर्सनल एक्सप्लेनेशन, सर । अध्यक्ष महोदय, ट्रेजरी बैंचिज की तरफ से यह कहा गया कि मैंने बिजली प्राईवेट क्षेत्र में देने को कहा । मैंने यह कहा था कि हमारे जितने भी एटौमिक प्लांटस हैं, चाहे वे थर्मल प्लांटस हैं, गैस बेस्ड प्लांटस हैं या हाईडल प्रोजैक्ट प्लांटस हैं उनकी प्राईवेटाईजेशन कर दी जाये लेकिन मैंने साथ ही साथ यह भी कहा था कि इनका कन्ट्रोल और बिजली का वितरण बिजली बोर्ड के पास रहे ।

Mr. Speaker : Now the House is adjourned till 9.30 A.M. tomorrow.

*17.18 hours (The Sabha then *adjourned till 9.30 A.M. on Thursday, the 29th February, 1996).

27497—H.V.S.—H.G.P., Chd.

Haryana Vidhan Sabha Secretariat
LIBRARY
Chandigarh